सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 9 ● अंक: 244 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार, 11 अक्टूबर, 2023
मूल्य ₹ 3/-

किसी को सिर्फ अपने धर्म का सम्मान और दूसरों के धर्म की निंदा नहीं करनी चाहिए।
-सम्राट अशोक

रिजवान और शफीक ने श्रीलंकाई... 7 | राजस्थान के रण में जीत का... 3 | भारी हंगामे के बाद देवरिया में... 2

जेपी की जयंती पर मचा हंगामा

JPNIC का गेट बंद किया तो गेट ही कूद गये अखिलेश यादव

फोटो: सुमित कुमार

एलडीए ने गेट पर जड़ा ताला दीवारों पर लगाई टीन की चादरें

सपा ने योगी सरकार पर बोला हल्ला

4पीएम के संपादक संजय शर्मा ने डाली थी याचिका

- पूर्व सीएम को जेपीएनआईसी जाने से रोका गया
- एलडीए की सफाई- सुरक्षा कारणों से नहीं दी अनुमति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। जय प्रकाश नारायण की जयंती के अवसर पर सपा व भाजपा सरकार के बीच तलवारें खींच गई है। बुधवार (11 अक्टूबर) को लखनऊ में जेपीएनआईसी पर जोरदार हंगामा हुआ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ माल्यार्पण करने के लिए जयप्रकाश नारायण इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर पहुंचे, लेकिन इसके पहले ही एलडीए ने जेपीएनआईसी के मेन गेट पर ताला जड़ दिया। ताला बंद होने कारण अखिलेश यादव जेपीएनआईसी का गेट फांदकर अंदर गए।

इस कार्यक्रम की जिम्मेदारी सपा के राष्ट्रीय सचिव राजेंद्र चौधरी को दी गई थी जिसके लिए उन्होंने एलडीए को पत्र लिखकर परमिशन भी मांगी थी, लेकिन एलडीए ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए गेट पर ताला लगवा दिया। वहीं सपा प्रवक्ता अमीक जमई के मुताबिक परमिशन न देते हुए एलडीए ने कहा कि सुरक्षा कारणों से अंदर नहीं जाने दिया गया। कारणों में एक कारण अंदर साफ सफाई भी न होने की बात कही गई है,अमीक जमाई ने सवाल उठाते हुए कहा कि बीजेपी लगातार स्वच्छता अभियान की बात कहती है पर वह जयप्रकाश जी के स्मृति में बने स्थान पर साफ सफाई में पीछे रह रही है तो किस बात का स्वच्छता अभियान है।

जेपीएनआईसी को बचाने के लिए डाली गई थी याचिका

जेपीएनआईसी की बिल्डिंग का काम भाजपा सरकार आने के बाद रूका हुआ था। जिसकी वजह से यह भव्य इमारत खंडहर हो रही थी। जिससे इसमें आम जनता के लगे टैक्स का पैसा बर्बाद हो रहा था, इसी को लेकर एक जनहित याचिका वरिष्ठ पत्रकार व 4पीएम के संपादक संजय शर्मा ने डाली थी जिस पर कोर्ट ने यूपी सरकार को आदेश दिया था कि सरकार यह भवन तुरंत पूर्ण कराए। एलडीए द्वारा वर्तमान में जिर्णोद्धार का काम भी कराया रहा है। जेपीएनआईसी को लेकर सपा और मौजूदा यूपी सरकार में कई बार तकरार हो चुकी है।

बीजेपी को यही रास्ता मंजूर : अखिलेश

इस मामले को लेकर अखिलेश यादव ने एक्स पर पोस्ट में लिखा था कि महान समाजवादी विचारक, सामाजिक न्याय के प्रबल प्रवक्ता लोकनायक जयप्रकाश नारायण जी की जयंती पर अब क्या सपा को माल्यार्पण करने से रोकने के लिए ये टिन की चद्दरें लगाकर जेपीएनआईसी का रास्ता रोका जा रहा है। पूर्व सीएम ने आगे कहा कि सच ये है कि बीजेपी लोकनायक जयप्रकाश जी के भ्रष्टाचार, बेकारी-बेरोजगारी और महंगाई के खिलाफ छेड़े गये आंदोलन की स्मृति को दोहराने से डर रही है क्योंकि बीजेपी के राज में तो भ्रष्टाचार, बेकारी-बेरोजगारी और महंगाई तब से कई गुना ज्यादा है, अब क्या माल्यार्पण के लिए भी जयप्रकाश नारायण जी की तरह 'सम्पूर्ण क्रान्ति' का आह्वान करना पड़ेगा। अगर बीजेपी को यही मंजूर है तो यही सही।

मंगलवार को ही जड़ा गया था ताला

राजेंद्र चौधरी ने मंगलवार दोपहर भी जेपीएनआईसी पहुंचकर तैयारियों की समीक्षा की थी। इस बीच मंगलवार शाम को एलडीए ने सपा के प्रदेश कार्यालय को पत्र भेजकर सुरक्षा कारणों का हवाला देकर कार्यक्रम की अनुमति देने से मना कर दिया। एलडीए ने जेपीएनआईसी के गेट पर ताला लगा दिया। जेपीएनआईसी के गेट पर लोहे की चादरों की दीवार एलडीए ने देर शाम खड़ी कर दी। इतना ही नहीं गेट को फांदकर कोई बाहर से भीतर न पहुंच सके, इसके लिए लोहे की चादर की दीवार भी लगा दी गई है।

भारी हंगामे के बाद देवरिया में पीड़ितों से मिल पाया सपा प्रतिनिधिमंडल

» बैरियर पर पुलिस ने रोका, बहस के बाद पहुंचा गांव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देवरिया। समाजवादी पार्टी का एक प्रतिनिधिमंडल फतेहपुर गांव के अभयपुर और लेड़हा टोला पहुंचा। इसको लेकर दोपहर तक काफी गहमागहमी रही। पूर्व मंत्री ब्रह्माशंकर तिवारी की अगुवाई में समाजवाद पार्टी का प्रतिनिधिमंडल बैरिया चौराहे पर पहुंचा, जहां पर पुलिस ने बैरियर लगाकर रोक दिया। प्रतिनिधिमंडल गांव में जाने की जिद करने लगा। इसको लेकर पुलिस से बहस भी हुई और आला अफसरों के आदेश के बाद एक-एक वाहन को जाने की अनुमति दी गई।

प्रतिनिधिमंडल में शामिल पूर्व मंत्री के अलावा पूर्व राज्यसभा सदस्य कनक लता सिंह, पूर्व विधायक विनय शंकर तिवारी, आशुतोष उपाध्याय, राधेश्याम सिंह, गजाला लारी, रामभुआल निषाद, अजय प्रताप सिंह पिंटू, विजय प्रताप उर्फ डब्लू मणि, सपा जिलाध्यक्ष व्यास यादव सबसे पहले प्रेम यादव के घर पहुंचे। जहां पर करीब 30 मिनट तक उनके परिवार को सांत्वना देने के बाद प्रतिनिधिमंडल सत्यप्रकाश दूबे के घर पहुंचा, जहां पर नेताओं ने घटनास्थल के बारे में जानकारी ली। इसके बाद शहर के रामनाथ देवरिया स्थित एक आवास पर देवेश दूबे से मिलने के लिए पहुंचे। जहां पर पूर्व मंत्री ब्रह्माशंकर तिवार सहित अन्य नेताओं ने ढांढस बंधाया और हर संभव मदद का आश्वासन दिया। जबकि दूसरी तरफ प्रेम की पत्नी ने प्रतिनिधिमंडल से न्याय की गुहार लगाई और बोली कि गलत तरीके से मापी कर कार्रवाई की तैयारी है, इसे रोका जाए। मेरे पति की भी हत्या हुई।

सपा के प्रतिनिधिमंडल ने कानपुर देहात के गांव शाहजहांपुर निनायां में दो विश्वकर्मा परिवार के सदस्यों की हुई हत्या मामले में पीड़ित परिजनों से मिलकर जताई संवेदना।

प्रेमचंद यादव के अवैध निर्माण पर कोर्ट में फैसला सुरक्षित

देवरिया। फतेहपुर गांव के अभयपुर टोले में खलिहान, नवीन परती, वन व मानस इंटर कालेज की भूमि पर बने दबंग प्रेमचंद का अवैध निर्माण ढहाया जाएगा। तहसीलदार रुद्रपुर की कोर्ट ने मंगलवार को सुनवाई पूरी करते हुए फैसला सुरक्षित कर लिया है। सुनवाई के दौरान तहसील परिसर में पूरे दिन गहमागहमी का माहौल रहा। शाम को पुलिस ने प्रेमचंद के समर्थकों व सपाइयों को परिसर से बाहर किया। फतेहपुर के लेहड़ा टोले के रहने सत्यप्रकाश दूबे के भाई ज्ञानप्रकाश दूबे के हक-हिस्से की संपूर्ण भूमि प्रेमचंद व उसके भाई आरोपित रामजी यादव ने बैनामा कराया था। जिसकी कानूनी लड़ाई सत्यप्रकाश दूबे लड़ रहे थे। आरोपितों के अवैध कब्जे को ढहाने के लिए रुद्रपुर तहसीलदार कोर्ट में उप्र राजस्व संहिता 2006 की धारा-67 के तहत पांच मुकदमे दाखिल किए गए, जिसमें शनिवार को सुनवाई की गई। आरोपित रामजी यादव की पत्नी किरन देवी ने पैमाइश को गलत बताते हुए आपत्ति जताई। जिसके बाद सोमवार को फतेहपुर गांव में तहसीलदार अरुण यादव ने कोर्ट लगाया और दोबारा भूमि की पैमाइश कराई।

जल्द होगी प्रत्याशियों की घोषणा, प्रक्रिया शुरू : गहलोत

» सोनिया गांधी से मिले राजस्थान के सीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान विधानसभा चुनाव का बिगुल आधिकारिक रूप से बज गया। चुनाव की तारीख का एलान होने के बाद भाजपा ने 41 सीटों पर प्रत्याशियों की सूची जारी कर दी है, लेकिन कांग्रेस की पहली सूची का सभी को इंतजार है। इसी बीच मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने दिल्ली मे सोनिया गांधी से मुलाकात की। जिसके बाद मीडिया से बातचीत में गहलोत ने संकेत दिए कि 18 अक्टूबर के आसपास टिकट फाइनल हो सकते हैं। मुख्यमंत्री गहलोत ने कहा कि अभी तो हमने प्रक्रिया शुरू किया है। सीईसी की बैठक होगी। इसके बाद ही कुछ फाइनल होगा।

उन्होंने कहा कि मैं समझता हूं कि 18 तारीख के आसपास हम टिकट फाइनल होने की उम्मीद कर सकते हैं। राजस्थान विधानसभा चुनाव की तारीख के एलान के बाद सीएम गहलोत और सोनिया गांधी की मुलाकात पर मीडिया ने सवाल पूछा। इस पर गहलोत ने कहा कि सोनियाजी कांग्रेस की नेता हैं। वे लंबे समय तक पार्टी की अध्यक्ष रहीं है। उनसे शिष्टाचार मुलाकात करना हमारा फर्ज है। जब भी दिल्ली आना होता है उनसे मुलाकात करते हैं। गहलोत ने कहा- मैं यहां तक उनके आशीर्वाद से ही पहुंचा हूं। उनका आशीर्वाद मिला तभी में तीन बार राजस्थान का मुख्यमंत्री बना। 25 साल से उनका भरोसा मेरे पर है। सीएम अशोक गहलोत ने केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग और चुनावी फंडिंग को लेकर केंद्र सरकार- बीजेपी पर एक बार फिर हमला बोला। गहलोत ने कहा- भाजपा के अलावा किसी पार्टी को फंडिंग नहीं मिल रही है।

शकुनी मामा के बेटे सम्राट चौधरी की हैसियत क्या : तेज प्रताप

» पिता पर की गई टिप्पणी से नाराज हुए कैबिनेट मंत्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। कैंसर का इलाज सिरदर्द की दवा खाने से नहीं होगा, राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के इस बयान से बिहार में सियायत गरमा गई है। भाजपा के नेता लगातार लालू प्रसाद की आलोचना कर रहे हैं। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने तो यहां तक कह दिया कि जातीय उन्माद के कैंसर हैं लालू प्रसाद यादव। अब इस मामले में लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे और वन एवं पर्यावरण मंत्री तेज प्रताप यादव ने बड़ा बयान दे दिया है।

पहले तो उन्होंने मीडिया के जरिए सम्राट चौधरी से उनकी हैसियत पूछ ली फिर उनके दिवंगत पिता और पूर्व मंत्री शकुनी चौधरी पर भी टिप्पणी कर दी। मंत्री तेज प्रताप यादव ने कहा कि सम्राट चौधरी होते कौन हैं ऐसा बयान देने वाले? सम्राट चौधरी की हैसियत है क्या लालू जी के सामने बोलने की। वह तो खुद शकुनी मामा के पुत्र हैं जो महाभारत करवाए थे। तेज प्रताप यादव ने कहा कि सम्राट चौधरी की इतनी हैसियत नहीं है कि वह लालू जी के बारे में कुछ बोल पाएं।

विपक्ष कर रहा मोदी की राह आसान : बृजभूषण

» बोले- जाति आधारित जनगणना पर कुछ लोग देख रहे ख्वाब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बृजभूषण ने जाति आधारित जनगणना की मांग करने वाले विपक्ष पर भी उन्होंने निशाना साधा। भाजपा सांसद ने कहा कि ये लोग जाति आधारित जनगणना को लेकर एक ख्वाब देख रहे हैं। यह सब नरेन्द्र मोदी का काम आसान कर रहे हैं। रामचरित मानस की पंक्तियां सुनाईं- जाको प्रभु दारुण दुख देही ताकि मति पहले हर लेही।

फिर बोले कि विपक्ष की मति धीरे-धीरे खराब हो रही है। वहीं भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने कहा है कि भले ही उन्होंने कुश्ती संघ की अध्यक्षी छोड़ दी है लेकिन जो भी नया अध्यक्ष होगा, वह अपना ही होगा। वह लोकभवन में मीडिया से बातचीत कर रहे थे। उनसे कुश्ती संघ के अध्यक्ष पद को लेकर सवाल हुआ था। इसके जवाब में उन्होंने संकेत दे दिया कि भले ही वह कुश्ती संघ के अध्यक्ष न रह गए हों लेकिन उस पर उनकी पकड़ बरकरार है। खेलों में भारत के प्रदर्शन में आए सुधार का पूरा श्रेय उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी सरकार की खेल नीति को दिया। यह कहते हुए कि नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद खिलाड़ियों को जो सुविधा दी जा रही है, वो दुनिया में कोई और देश नहीं दे रहा है। उम्मीद जतायी कि आने वाले दिनों में खेलों में भारत और अच्छा प्रदर्शन करेगा। जाति आधारित जनगणना की मांग करने वाले विपक्ष पर भी उन्होंने निशाना साधा। भाजपा सांसद ने कहा कि ये लोग जाति आधारित जनगणना को लेकर एक ख्वाब देख रहे हैं। यह सब नरेन्द्र मोदी का काम आसान कर रहे हैं।

पार्टी की इच्छा पर निर्भर है कि वह किसे लड़ाएगी चुनाव

अगले वर्ष होने वाले लोकसभा चुनाव के दृष्टिगत भाजपा द्वारा अपने सांसदों के टिकट काटे जाने के सवाल पर बृजभूषण ने कहा कि यह पार्टी की इच्छा पर निर्भर है कि वह किसे लड़ाएगी। भाजपा के आंतरिक सर्वे में कुछ सांसदों की रिपोर्ट कार्ड खराब आने के बारे में किये गए सवाल पर वह बोले कि यह हमेशा होता रहता है। सर्वे होता है तो कुछ सांसदों की रिपोर्ट अच्छी आती है और कुछ की खराब।

जम्मू में लोकतांत्रिक अधिकार हों बहाल : वानी

» भाजपा के खिलाफ विपक्ष का धरना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। भाजपा के विरोध में जम्मू के महाराजा हरि सिंह पार्क में प्रदेश की विपक्षी दलों के नेता और कार्यकर्ता एकत्रित हुए। जम्मू कश्मीर में लोकतांत्रिक व्यवस्था बहाल करने सहित अन्य ज्वलंत मुद्दों को लेकर आज एकदिवसीय धरना-प्रदर्शन किया गया। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष विकार रसूल वानी ने कहा, विपक्षी दल राज्य का दर्जा, लोकतांत्रिक और संवैधानिक अधिकारों की तत्काल बहाली की मांग के लिए एक साथ आए हैं।

उन्होंने आगे कहा, हम लोगों के अधिकारों और उनके हितों की रक्षा के लिए अपना विरोध जारी रखेंगे। वानी ने आरोप लगाया कि भाजपा जानबूझकर चुनाव में देरी कर रही है। डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी और अपनी पार्टी को चुनावी लड़ाई में हार का सामना करना पड़ेगा। वहीं सीपीआई (एम) नेता एम वाई तारिगामी ने कहा कि उन्हें भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार से कोई उम्मीद नहीं है क्योंकि उसके सभी वादे झूठे साबित हुए हैं। पीडीपी के नेता टाक ने संयुक्त विरोध को जम्मू-कश्मीर के लोगों के लिए सकारात्मक संकेत बताया और कहा कि इस मंच से देश को संदेश है कि सभी विपक्षी दलों को सुरक्षा के लिए वर्तमान सरकार की विभाजनकारी राजनीति के खिलाफ खड़े होने की जरूरत है।

अब्दुल्ला व महबूबा नहीं पहुंचे

प्रदर्शनकारियों ने केंद्र शासित प्रदेश में लोकतांत्रिक और संवैधानिक अधिकारों की बहाली की मांग की। हालांकि प्रदर्शन में नेशनल कांफ्रेंस अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला और पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती नहीं पहुंचे। 2019 में जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा हटाए जाने के बाद यह जम्मू में पहला बड़ा विरोध प्रदर्शन माना जा रहा है। जम्मू के मध्य में महाराजा हरि सिंह पार्क में विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला द्वारा किया जाना था, लेकिन बताया गया है कि खराब स्वास्थ्य के कारण इस धरने में शामिल नहीं हो सके। हालांकि, नेका के प्रांतीय अध्यक्ष रतन लाल गुप्ता के नेतृत्व में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने विरोध प्रदर्शन में भाग लिया। उधर, पीडीपी अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने भी विरोध प्रदर्शन में भाग नहीं लिया, लेकिन उनकी पार्टी के उपाध्यक्ष अब्दुल हमीद चौधरी और पूर्व एमएलसी फिरदौस टाक सहित पार्टी के लगभग सभी वरिष्ठ नेताओं ने विरोध में हिस्सा लिया। सीपीआई (एम), नेशनल पैंथर्स पार्टी (एनपीपी), अवामी नेशनल कॉन्फ्रेंस, शिव सेना (यूबीटी), अन्य सामाजिक संगठनों सहित विभिन्न दलों के सैकड़ों नेता और कार्यकर्ता विरोध प्रदर्शन के लिए आए।

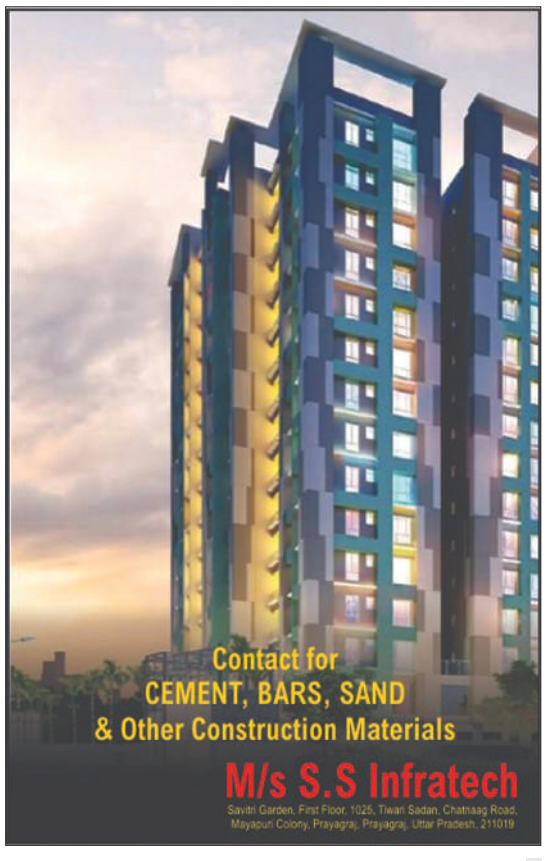

राजस्थान के रण में जीत का प्रण

गहलोत ने मजबूती से संभाला मोर्चा

मोदी ने बढ़ाए दौरों के फेरे

» भाजपा व कांग्रेस में होगा कड़ा मुकाबला

» सचिन व राजे का भविष्य भी दावं पर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। पांच राज्यों में चुनावों के तारीखों के ऐलान के साथ ही नेताओं की किस्मत के ताले की चाभी जनता के हाथों में चली गई है। अब जनता ही अपने वोटों के माध्यम से नेताओं के भविष्य का निर्धारण करेगी कि उसने पिछले पांच में जनता की उम्मीदों के हिसाब से काम किया है की नहीं। केंद्र में सत्तारुढ़ भाजपा के लिए सभी पांचों राज्य महत्वपूर्ण हैं पर 200 सीटों वाला राजस्थान उसके लिए ज्यादा जरूरी है क्योंकि वहां पर वर्तमान में कांग्रेस सरकार है उसकी रणनीति है कि वह इसबार वहां की जनता के बीच में एंटीइंकबैंसिंग का लाभ उठाकर सत्ता पर कब्जा जमा ले। ऐसा माना जा रहा है मप्र ,छत्तीसगढ़, तेलंगाना में भाजपा को मुश्किलों का सामना कर पड़ सकता है ऐसे में राजस्थान जैसे बड़े राज्य के लिए बीजेपी पूरी जान लड़ाना चाहती है।

राजस्थान सहित पांच राज्यों में विधानसभा के चुनाव के बिगुल बज गए हैं। राजस्थान में मुख्य मुकाबला भाजपा और कांग्रेस के बीच ही रहने वाला है। 1993 से देखें तो हर 5 साल में यहां सत्ता परिवर्तन होता रहा है। कहीं ना कहीं कांग्रेस इस बार 5 साल में किए गए काम को दिखाकर सत्ता को अपने पास रखने की कोशिश में है। तो वहीं भाजपा गहलोत सरकार की नाकामयाबियों को जबरदस्त तरीके से उठा रही है और हर 5 साल में सत्ता परिवर्तन के इतिहास को भी देख रही है। दोनों ही राजनीतिक दलों के अपने-अपने दावे हैं। लेकिन दोनों ही दलों के समक्ष अपनी-अपनी चुनौती भी है। राजनीति में जादूगर के नाम से मशहूर राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के सामने फिलहाल कई चुनौतियां हैं। 1993 के बाद से राजस्थान की जनता ने किसी भी मुख्यमंत्री को लगातार दो बार सत्ता की चाबी नहीं सौंपी है। ऐसे में अशोक गहलोत लगातार कई बड़े ऐलान कर चुके हैं और उन्हें भरोसा है कि इस बार वे इतिहास बनाने में कामयाब हो जाएंगे। लेकिन भाजपा से उन्हें कड़ी टक्कर मिलती हुई दिखाई दे रही है। इसके अलावा कुछ ऐसे मुद्दे हैं जो भाजपा बढ़-चढ़कर राज्य में उठा रही है। भाजपा लगातार राज्य में महिला सुरक्षा के मुद्दे को जबरदस्त तरीके से उठा रही है। इसके अलावा पेपरलीक का भी मुद्दा काफी गर्म है। कांग्रेस सरकार पर तुष्टीकरण के कई बार आरोप गले हैं। राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति को लेकर भी अशोक गहलोत कटघरे में खड़े हैं। भ्रष्टाचार का भी मुद्दा उनका पीछा नहीं छोड़ रहा है। हालांकि, कांग्रेस के भीतर भी उन्हें कड़ी चुनौती मिल रही है। वहीं प्रचार अभियानों में जल्दबाजी करने पर भाजपा भी सवालों के घेरे में आ गई है। भाजपा के विस्तारकों द्वारा हर विधानसभा क्षेत्र से तीन-तीन लोगों के नाम का पैनल बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किया गया है। उसके बाद से भाजपा में अंदरूनी टांग खिंचाई शुरू हो गई है। जिन लोगों के नाम संभावित पैनल में शामिल नहीं किए गए, वह लोग भाजपा मुख्यालय पर जाकर धरने प्रदर्शन करने लगे हैं, इससे पार्टी का माहौल खराब हो रहा है। कहने को तो हर विधानसभा क्षेत्र में कार्य कर रहे विस्तारक संगठन से जुड़े बताए जा रहे हैं मगर उनके द्वारा फर्जी पैनल बनाकर वायरल करने की घटना से पार्टी बचाव की मुद्रा में आ गई है। मगर ऐसे विस्तारकों पर शायद ही कोई अनुशासनात्मक कार्यवाही हो पाए।ऐन चुनाव के वक्त ऐसी घटनाओं से पार्टी के आंतरिक झगड़े बढ़ते हैं और कार्यकर्ताओं में अविश्वास की भावना पनपती है। इस तरह की घटनाओं को नहीं रोक पाना भाजपा संगठन की एक बड़ी कमजोरी मानी जा रही है। संगठन से जुड़े लोगों द्वारा ही अफवाह फैलाने कि घटना से पार्टी की हवा खराब हो रही है। इन घटनाओं से लगता है कि राजस्थान के भाजपा नेताओं में आपसी तालमेल की कमी है तथा सभी नेताओं में एक दूसरे से आगे निकलने की हो? मची हुई है। ऐसी हो? में पार्टी के नेताओं द्वारा अक्सर ऐसी गलतियां हो जाती हैं जो पार्टी के लिए शर्मिंदगी का कारण बन रही हैं।

वसुंधरा की नाराजगी पड़ सकती है भारी

वैसे देखा जाए तो तमाम सर्वे में बीजेपी को राजस्थान में बढ़त मिलती हुई दिखाई दे रही है। बावजूद इसके कई मोर्चे पर बीजेपी की बड़ी परीक्षा होनी है। बीजेपी इस चुनाव में किसी भी चेहरे को आगे कर के नहीं उतर रही है। वह सामूहिक नेतृत्व पर जोर दे रही है और उसे पीएम मोदी के करिश्मा का सहारा भी है। हालांकि, महंगाई को कम करने के लिए गहलोत सरकार की ओर से जो घोषणाएं की गई है वह कहीं ना कहीं भाजपा के लिए चुनौतियां पेश कर रही हैं। इसके अलावा अगर वसुंधरा राजे को भाजपा ने आगे नहीं किया तो उनके समर्थक नाराज हो सकते हैं और शायद यह पार्टी को मुश्किल में डाल सकती है। यही कारण है कि वसुंधरा को भी साथ रखने की पार्टी की ओर से कोशिश की जा रही है।

हालांकि, राजस्थान में भाजपा की ओर से उम्मीदवारों की जो पहली सूची जारी की गई है उसमें वसुंधरा का नाम नहीं है।

किसान परिवार ने भाजपा पर उठाए सवाल

किसान माधुराम के सबसे छोटे बेटे जुगताराम का कहना है कि जब से मेरे पिताजी को पोस्टरों पर उनकी फोटो लगने के बारे में पता लगा है तब से वह बहुत टेंशन में रहने लगे हैं। मुझे बार-बार पूछते हैं कि वह फोटो हटी कि नहीं। मेरी बहुत बदनामी हो गई। मेरे पिताजी को बहुत तकलीफ हो रही है। हम लोग भाजपा के नेताओं से प्रार्थना करते हैं कि पोस्टरों से मेरे पिताजी की फोटो को हटवा दें। इस तरह की घटनाओं से राजनेताओं ने तो अपना स्वार्थ साध लिया है। मगर गांव में रहने वाले एक इज्जतदार किसान की इज्जत तो खराब हो गई जिसकी भाजपा कैसे भरपाई कर पाएगी। भाजपा नेताओं को चाहिए कि कोई भी कार्य करने से पहले उसे अच्छी तरह से जांच परख कर ही आगे बढ़ायें। जिस तरह की घटना एक गरीब किसान माधुराम के साथ घाटी है उस घटना को उसका परिवार जन्म-जन्मांतर तक नहीं भूला सकेगा। जिन पोस्टरों के बल पर भाजपा राजस्थान में सरकार बदलने के लिए हवा बन रही है। वह पोस्टर ही फुस्स हो गया। भाजपा के एक झूठ ने पूरे अभियान की हवा निकाल कर रख दी है।

प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी की जगह विस अध्यक्ष की फोटो पर भी घिरी बीजेपी

इसी तरह सिरोही जिले के रेवदर कस्बे में एक अति उत्साही भाजपा नेता ने अपने बैनरों पर प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी के स्थान पर विधानसभा अध्यक्ष सीपी जोशी की फोटो लगे बैनर बनवाकर ऑटो रिक्शा पर लगाकर प्रचार भी शुरू कर दिया। उन्होंने ऑटो रिक्शा पर बैनर लगाते वक्त भी उसको देखना उचित नहीं समझा। जब शहर में लोगों ने टोका-टाकी की तो कहा गलती हो गई। रेवदर शहर में भाजपा के स्थानीय नेता रमेश कोली को पार्टी ने सदस्यता अभियान का विधानसभा का संयोजक नियुक्त कर रखा है। रमेश कोली खुद बीजेपी की टिकट के लिये दावेदारी जता रहे हैं। वह विधानसभा क्षेत्र में अपना प्रभाव जमाने के लिए कई ऑटो रिक्शा पर बैनर लगवा कर बूथ जनसंपर्क अभियान चला रहे थे। बैनर पर रमेश कोली ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, विधानसभा अध्यक्ष सीपी जोशी तथा भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा की फोटो लगा रखी थी।

पायलट पर कांग्रेस की नजर

अशोक गहलोत के लिए इस चुनाव में भाजपा के साथ-साथ सचिन पायलट खेमे से भी निपटना जरूरी है। पिछले 5 सालों में हमने देखा है कि कैसे राजस्थान में सचिन पायलट और अशोक के गहलोत के बीच सियासी वार देखने को मिला। दोनों के बीच तल्खियां सरेआम रही। अशोक गहलोत की चिंता इस बात को लेकर भी ज्यादा है कि कहीं पायलट को पसंद करने वाले लोग भाजपा की ओर झुकाव ना कर लें।

किसान के पोस्टर को लेकर भाजपा की हो रही फजीहत

करीबन 70 वर्षीय माधुराम जयपाल जैसलमेर जिले के रामदेवरा क्षेत्र के रिखियों की ढाणी के रहने वाले हैं। पोस्टर पर अपनी फोटो आने के बाद उन्होंने भाजपा के जिला स्तरीय नेताओं से संपर्क कर अपनी फोटो हटवाने के लिए बोल दिया है। राजस्थान में भाजपा को चुनाव जीतने की कितनी जल्दी बाजी हो रही है। इसका एक उदाहरण हाल ही में सामने आया है। जिससे भाजपा की बड़ी फजीहत हो रही है। विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा द्वारा राजस्थान में कांग्रेस सरकार के खिलाफ नहीं सहेगा राजस्थान अभियान चलाया जा रहा है। कुछ दिनों पूर्व इसी अभियान के तहत भाजपा द्वारा किसानों से जुड़ा हुआ एक पोस्टर जारी किया गया था। जिस पर एक किसान का फोटो लगाकर लिखा गया था कि राजस्थान में 19000 से अधिक किसानों की जमीनें नीलाम नहीं सहेगा राजस्थान। पोस्टर पर जिस किसान माधुराम की फोटो लगाई गई है उसका कहना है कि पोस्टर में मेरी जमीन नीलाम होने की बात लिखी गयी है। जबकि मेरी तो कोई जमीन नीलाम ही नहीं हुयी है। मुझसे पूछे बिना ही बेवजह पोस्टर पर मेरी फोटो लगा दी गई है। मेरा कहीं भी किसी भी बैंक में कोई लोन बकाया नहीं है। जिसने भी मेरी फोटो का गलत इस्तेमाल किया है उनको तुरंत ही मेरी फोटो पोस्टर से हटाकर माफी मांगनी चाहिए। पूरे प्रदेश में मेरी फोटो लगे पोस्टर लगने से मेरी बहुत बदनामी हुई है। मेरे पास आज भी 188 बीघा जमीन है। मगर किसी का भी कोई कर्जा नहीं है। इस बाबत जैसलमेर जिले के भाजपा अध्यक्ष चंद्र प्रकाश शारदा का कहना है कि सभी तरह के पोस्टर प्रदेश स्तर से बनवाए गए हैं। स्थानीय स्तर पर हमारी जानकारी में ऐसी कोई बात नहीं थी। एक किसान ने आकर बताया था। हम प्रदेश नेतृत्व को अवगत करवा देंगे। माधुराम का कहना है कि 2 महीने पहले दो लड़के हमारे गांव में कैमरे लेकर आए थे। तब उन्होंने बोला था कि हम फसल खराबे की रिपोर्ट तैयार कर रहे हैं। सरकार के सामने आपके फसल खराबे की रिपोर्ट रखेंगे। तब उन्होंने मेरी फोटो ली थी। उगर उन्होंने मुझे नहीं बताया था कि पोस्टर पर मेरी फोटो लगाई जाएगी।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

यूजीसी के नए प्रावधान से होगा छात्रों को लाभ

स्टूडेंट्स की इम्प्लॉएबिलीट बढ़ाने के लिए इंटर्नशिप को अनिवार्य किया गया है। इस कड़ी में आयोग ने अब इंटर्नशिप को लेकर दिशा-निर्देश भी तैयार किए हैं। यूजीसी ने यूजी/रिसर्च इंटर्नशिप ड्राफ्ट गाइडलाइंस आज यानी 10 अक्टूबर को जारी करते हुए इन पर सभी स्टेहोल्डर्स से 12 नवंबर 2023 तक सुझाव और प्रतिक्रियाएं आमंत्रित की हैं।

यूजीसी ने अब छात्रों को इंटर्नशिप करने जरूरी कर दिया है। आयोग चाहता है कि छात्र प्रशिक्षण के दौरान इतनी कुशलता हासिल कर लें कि उन्हें जब कार्यक्षेत्र में उतरना पड़े तो कोई परेशानी न हो और अपने काम से वह उस मुकाम को पा सके जिसकी वह इच्छा रखते हैं। साथ ही इससे स्टूडेंट्स को सामाजिक समस्याओं को समझने में मदद मिलेगी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के प्रावधानों के अनुसार विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने यूजी स्तर पर क्रेडिट फ्रेमवर्क लागू किया है। स्टूडेंट्स की इम्प्लॉएबिलीट बढ़ाने के लिए इंटर्नशिप को अनिवार्य किया गया है। इस कड़ी में आयोग ने अब इंटर्नशिप को लेकर दिशा-निर्देश भी तैयार किए हैं। यूजीसी ने यूजी/रिसर्च इंटर्नशिप ड्राफ्ट गाइडलाइंस आज यानी 10 अक्टूबर को जारी करते हुए इन पर सभी स्टेहोल्डर्स से 12 नवंबर 2023 तक सुझाव और प्रतिक्रियाएं आमंत्रित की हैं। इंटर्नशिप प्रोग्राम तैयार करने के लिए संस्थानों को एक नोडल ऑफिसर तैनात करना होगा। साथ ही, संस्थान विभिन्न कंपनियों के साथ इंटर्नशिप के लिए समझौता करेंगे।

संस्थान द्वारा हर स्टूडेंट के लिए एक इंटर्नशिप सुपरवाइजर बनाया जाएगा, जो कि निर्धारित अवधि के लिए इंटर्नशिप प्रोजेक्ट को पूरा करने में स्टूडेंट की मदद करेगा। ग्रुप इंटर्नशिप की संभावनाएं भी संस्थान तलाश सकते हैं। इंटर्नशिप निर्धारित करने के लिए सस्थानों द्वारा लोकल मार्केट की जरूरतों को लेकर सर्वेक्षण किया जाएगा। सर्वेक्षण और संचालित किए जा रहे कोर्सेस के आधार संस्थान द्वारा इंटर्नशिप प्रोजेक्ट तैयार किए जाएंगे। इन इंटर्नशिप प्रोजेक्ट और उनके लिए बनाए गए मेंटॉर्स की जानकारी संस्थानों को अपने पोर्टल पर प्रकाशित करनी होगी। साथ ही, सस्थानों को अपने पोर्टल पर एपीआइ इंटीग्रेशन के साथ व्यवस्था करनी होगी कि कंपनियों के एक्सपर्ट्स या एजेंसियां रजिस्ट्रेशन कर सकें। इंटर्नशिप प्रोजेक्ट स्टूडेंट के स्किल डेवेलपमेंट कोर्सेस से लिंक होगा। स्टूडेंट्स को अपने मेंटॉर को संस्थान या शोध संगठन या विश्वविद्यालय या राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों, प्राइवेट कंपनियों या स्थानीय प्रशासन या भारत के बाहर विशेषज्ञों में से चुनने की छूट होगी। इसके लिए एक केंद्रीय पोर्टल बनाया जा सकता है। संस्थान स्थानीय प्रशासन की मदद से ऐसे कार्यों की पहचान कर सकते हैं जिसके लिए इंटर्नशिप प्रोजेक्ट तैयार किए जा सकें। इस तरह के प्रावधानों से शैक्षिक क्षेत्र में छात्रों को लाभ मिलने की उम्मीद की जा सकती है। जब छात्र स्किल होंगे तो उन्हे रोजगार भी उपलब्ध होगा ।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

राजनीतिक आडंबर बनाम सामाजिक आदर्शवाद

राजेश रामचंद्रन

'जितनी आबादी उतना हक' कांग्रेस का नया नारा है। सोच में यह अचानक बदलाव क्यों? यह उस दल का नया नारा कैसे बना,जिसका अपना इतिहास प्रतिनिधित्वकारी राजनीति के सिद्धांत को तोड़-मरोड़ कर, उच्च पदों पर ऊंची जातियों (खासकर ब्राह्मण) के नेताओं को सबसे अधिक आसीन करने का रहा हो। बेशक, नौ साल बाद विपक्ष गोलबंद होने लगा है, पहले 'इंडिया' नामक गठबंधन बनाया और अब यह नया दांव-पेच निकाला है। अब तक विपक्ष का सत्तारूढ़ दल पर हमले बोलने का मुख्य तरीका मोदी-विरोधी निंदा और अडाणी जैसे चहेते पूंजीपतियों को फायदा पहुंचाने के आरोप रहे हैं और उसने अब यह नया शानदार पैंतरा ढूंढ़ लिया है, जाति-आधारित जनगणना।

हाल ही में एजेंसियों द्वारा पत्रकारों, एक न्यूज पोर्टल संस्थापक और एक विपक्षी सांसद और अन्य पर छापे और गिरफ्तारियां सुर्खियों में रहीं, विपक्षी इसको केंद्रीय सरकार की कथित हताशा भरी कार्रवाई का चिन्ह बता रहे हैं ताकि गांधी जयंती के दिन बिहार में जाति-आधारित जनगणना सर्वे का परिणाम जारी करने से पैदा हुई स्थिति का तोड़ निकालने के लिए समय पा सके। सरकार घबराई हुई है या नहीं, लेकिन यह सर्वे जरूर विपक्ष द्वारा राजनीतिक बढ़त पाने का नया प्रयास है और इसको 2024 के चुनाव का मुख्य मुद्दा बनाना चाहता है और भाजपा को मजबूर करना कि या तो इसको स्वीकार करे या प्रतिक्रिया करके घाटा सहे। लेकिन क्या यह कारगर होगा? क्या यह मुद्दा मोदी के विजय रथ को रोककर पराजित कर पाएगा? चुनावी विफलता सहन करने वाले विपक्ष के लिए 30 साल पहले जातीय पहचान की राजनीति का टोटका संकटमोचक बना था, क्योंकि उस वक्त तक भी गंगा के मैदानी क्षेत्र में सामंतवादी ढांचा कमोबेश यथावत था और कांग्रेस का तत्कालीन नेतृत्व इन सामंतों का विस्तार भर था।

इस सामंतशाही ने भारत के सबसे ज्यादा आबादी वाले राज्य में अधिसंख्य वर्ग की सामाजिक-आर्थिक तरक्की की संभावनाओं को कुचल रखा था और वे दिल्ली में रिक्शा खींचने या पंजाब के खेतों में खटने या गुजरात की फैक्टरियों में मजदूरी करने को मजबूर थे, इस व्यवस्था को तोड़ना उस वक्त की ऐतिहासिक आवश्यकता थी। लेकिन यह दौर 30 साल पहले का था और उसके बाद से गंगा के मैदानी क्षेत्र में ब्राह्मणों का राज जाता रहा। यह

होना, दक्षिण भारत में पहले हो चुके सामाजिक बदलावों का विस्तार भर था। जहां पर सत्ता सक्षम वर्ग के हाथों से निकलकर अपेक्षाकृत वंचित किंतु बहुसंख्यक वर्ग के पास चली गई थी। दक्षिणी और उत्तरी भारत के इन प्रयोगों के बीच बड़ा अंतर था कि बिहार और उत्तर प्रदेश में सबसे अधिक गिनती रखने वाली यादव जाति मुख्य लाभार्थी बनकर उभरी। दक्षिण में, बहुसंख्या रखने वाली जातियों को सशक्त करके सामाजिक बदलाव लाने का वाहक कोई एक दल या संगठन बना, लेकिन इसने हाशिये पर आती जातियों को भी सवर्ण-विरोधी या सीधा कहें, तो ब्राह्मण विरोधी लहर पर सवार होने का मौका दिया। फिलहाल, तमिलनाडु में ब्राह्मण-विरोधी नारा द्रविड़ राजनीति के प्रथम परिवार के लिए, जो खुद गिनती के मुताबिक बहुसंख्यक जाति से नहीं है, ताकत पर अपनी पकड़ बनाए रखने में सहायक है। जाहिर है, जाति रूपी पहिए की संरचना, सभी जातियों की तीलियों के बिना, अधूरी रहेगी। तथ्य है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का यह 'नया महान विचार' प्रतिनिधित्व के फार्मूले पर खुद बिहार में उलटा पड़ जाएगा क्योंकि सर्वे के अनुसार नीतीश कुमार की कुर्मी जाति सूबे की कुल आबादी में महज 2.1 फीसदी है। इस तरह, 'जितनी आबादी उतना हक' वाले सिद्धांत के मुताबिक मुख्यमंत्री का पद 14.26 प्रतिशत संख्या रखने वाले यादवों का हक है। इसलिए तेजस्वी यादव को तुरंत तरक्की देकर मुख्यमंत्री बनाया जाए और नीतीश कुमार स्वयं उप-मुख्यमंत्री भी नहीं रह सकते, क्योंकि अन्य जातियों की जनसंख्या कुर्मियों से अधिक है। मतदाता अपना वोट विशुद्ध जाति के आधार पर न देकर,बृहद श्रेणी को यानी सामान्य वर्ग, पिछड़ी जाति, अति-पिछड़ा वर्ग या अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति इत्यादि के आधार पर दे, तब भी नीतीश कुमार का मौका नहीं बनेगा क्योंकि वे सबसे बड़े समूह से यानी अति-पिछड़ा वर्ग से नहीं हैं।

राजनीतिक ढोंग से सामाजिक आदर्शवाद नहीं निकल सकता। जाति-आधारित जनगणना तब कारगर मानी जाए यदि नीतीश कुमार इस्तीफा दें और सत्ता की बागडोर सबसे अधिक गिनती वाले अति पिछड़ा वर्ग या यादव को सौंप दें। यह क्या बात हुई कि आप जाति-आधारित जनगणना तो करवा लें लेकिन खुद सत्ता में रहते हुए इस पर अमल न करें।

महिलाओं की राजनीतिक उदासीनता के निहितार्थ

डॉ. ऋतु सारस्वत

महिला आरक्षण बिल यानी 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' को हाल ही में राष्ट्रपति की मंजूरी मिल गई। इस कानून के लागू होने पर लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा। लैंगिक समानता के लिए उठाया गया यह कदम स्वागतयोग्य है। राजनीतिक स्तर पर महिलाओं को समानता के उच्चतम पायदान पर खड़े करने की पहल विगत कई दशकों से की जा रही थी परंतु तमाम उलझनों और ऊहापोह के बीच इसे आने में इतना लंबा समय लग गया। खैर, देर से आए दुरुस्त आए। परंतु यक्ष प्रश्न यह है कि क्या महिलाओं का राजनीतिक पदों को प्राप्त करना सहज होगा? क्या देश की आम महिलाएं इसका लाभ ले पाएंगी या फिर राजनीतिक परिवारों की महिलाओं तक ही यह सीमित होकर रह जाएगा? क्या विधायक पति, भाई या पिता सत्ता पर अब परोक्ष रूप से काबिज होंगे? इन प्रश्नों ने अपने उत्तरों को ढूंढ़ने की कवायद आरंभ कर दी है।

वर्ष 2017 में हिलेरी क्लिंटन ने अपनी किताब 'व्हाट हैपेंड' में लिखा 'यह पारंपरिक सोच नहीं है कि महिलाएं नेतृत्व करें या राजनीति के दांव पेंच में शामिल हों। यह न तो पहले सामान्य था और न ही आज इसलिए जब भी अगर ऐसा होता है तो यह सही प्रतीत नहीं होता। लोगों ने हमेशा इस तरह की भावनाओं के आधार पर मत दिया है।' हिलेरी क्लिंटन ने समाज के उस चेहरे को उजागर किया है जहां आधुनिकता और समानता के तमाम दावों के बीच महिलाओं की राजनीति में अस्वीकार्यता है। व्यावहारिक समानता के बावजूद अप्रत्यक्ष सामाजिक-राजनीतिक ढांचे महिलाओं को राजनीति में भागीदार बनने से रोकते हैं। अंतर संसदीय संघ की ओर से कराए गए सर्वे इन 'इक्वलिटी इन पॉलिटिक्स' में पाया गया कि सामाजिक रीति-रिवाजों के अलावा आर्थिक क्षमता और राजनीतिक दलों की संरचना भी महिलाओं के लिए बाधक है।

अब प्रश्न यह उठता है कि पितृसत्तात्मक व्यवस्था महिलाओं को नेतृत्वशील पदों पर क्यों नहीं देखना चाहती? इसका उत्तर मुश्किल नहीं है 'राजनीति' सत्ता और शक्ति का केंद्र है। वह प्रभाव और निर्णय क्षमता की आधारभूमि है जो कि पुरुषत्व भाव की छद्म तुष्टि का आधार बनती है। सत्ता को पुरुषत्व से जोड़कर देखने की मानसिकता इतनी गहरी जड़ें जमाए हुए है कि विश्व की कोई भी सामाजिक व्यवस्था, चाहे उसका स्वरूप विकसित हो या विकासशील, महिलाओं का राजनीति में प्रवेश स्वीकार नहीं करती। और किंचित जो महिलाएं इस ओर कदम बढ़ाती हैं उन्हें रोकने के लिए 'हिंसा' को, चुनावी चक्र में विभिन्न तरीकों से लक्षित और विनाशकारी उपकरण के रूप में इस्तेमाल किया जाता है।? एक अध्ययन के मुताबिक विश्व भर में 35500 संसदीय सीटों (156 देशों) में महिलाओं की उपस्थिति मात्र 26.1 प्रतिशत है। रिपोर्ट यह भी बताती है कि 156 देशों में से 81 में राजनीतिक उच्च पदस्थ स्थानों में महिलाएं नहीं रही हैं। स्वीडन, स्पेन, नीदरलैंड और अमेरिका जैसे लिंग समानता के संबंध में अपेक्षाकृत प्रगतिशील माने जाने वाले देश भी इसमें शामिल हैं।

इस सत्य को विश्व की तमाम संस्थाएं स्वीकार करती हैं कि महिलाओं की पूर्ण और प्रभावी राजनीतिक भागीदारी मानवाधिकार, समावेशी विकास और सतत विकास का मामला है। निर्णय लेने और राजनीतिक भागीदारी के सभी स्तरों पर पुरुषों के साथ समान शर्तों पर महिलाओं की सक्रिय भागीदारी समानता, शांति और लोकतंत्र की उपलब्धि और निर्णय लेने की प्रक्रिया में उनके दृष्टिकोण और अनुभवों को शामिल करने के लिए आवश्यक है। रेक्यिवेक इंडेक्स 20-21' के 'सत्ता में पदों के लिए उपयुक्तता पुरुष और स्त्री के संबंध में दृष्टिकोण' अध्ययन में सम्मिलित जी 7 देशों के बीस हजार वयस्कों की, महिलाओं के राजनीति में नेतृत्व को लेकर जो विचारधाराएं हैं, वह अचंभित करती हैं। हैरान करने वाला तथ्य तो यह है कि जिस युवा पीढ़ी (18-34) को आधुनिक विचारों का पैरोकार समझा जाता है वह युवा पीढ़ी महिलाओं के राजनीति में प्रभावशील नेतृत्व को लेकर संकुचित विचारधारा रखती है और यह मानती है कि सत्ता के गलियारे महिलाओं के लिए नहीं बने हैं। इन विचारधाराओं के लिए युवाओं को भी पूर्ण रूप से दोषी नहीं ठहराया जा सकता।

संपूर्ण सामाजिक व्यवस्था 'समाजीकरण' की प्रक्रिया के अनुरूप सुनिश्चित होती है। समाजीकरण वह प्रक्रिया है जहां बच्चे को उसके जन्म के पश्चात समाज की व्यवस्थाओं के अनुरूप रहना सिखाया जाता है और यह प्रक्रिया परिवार से आरंभ होकर स्कूल, रिश्तेदारों और विभिन्न संस्थाओं द्वारा सुनिश्चित होती है। 'सत्ता', 'राजनीति' यह शब्द समाजीकरण की प्रक्रिया में महिलाओं को इंगित करते ही नहीं इसीलिए वर्तमान पीढ़ी भी यह मानकर चलती है कि राजनीति महिलाओं का विषय नहीं है। मनोवैज्ञानिक एलिस ईमल के अनुसार 'ऐसी मान्यताएं हैरान करने वाली नहीं हैं क्योंकि समाज महिलाओं की निर्णय क्षमता और आधिकारिता पर विश्वास नहीं करता है।' राजनीति के प्रथम स्तर पर महिलाओं का आरक्षण यकीनन भारत की राजनीतिक तस्वीर को बदलेगा परंतु इसमें कतई संदेह नहीं है कि आने वाले दो-तीन दशकों में समाज को महिलाओं के राजनीतिक समाजीकरण से परिचित होना होगा जो कि सहज नहीं है। यह प्रश्न उठना भी स्वाभाविक है कि अगर 1994 में 73वें और 74वें संविधान संशोधन के माध्यम से राजनीति के निचले पायदान पर महिलाओं को आरक्षण नहीं मिलता तो क्या वह अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर पाती?

मकई से बनाएं डिनर के लिए टेस्टी मसालेदार कॉर्न

कॉर्न यानी मकई, मक्का या भुट्टा एक बहुत ही हेल्दी फूड आइटम है। जिसका इस्तेमाल आप सुबह नाश्ते से लेकर लंच, ईवनिंग स्नैक्स और यहां तक कि डिनर में भी कर सकते हैं। यह कई तरह के विटामिन्स, एंटीऑक्सीडेंट और न्यूट्रिशन से भरपूर होता है। इसमें फाइबर की भी मौजूदगी होती है, जो पाचन को दुरुस्त रखता है, तो इससे बनने वाली एक ऐसी रेसिपी, जिसे आप लंच या डिनर किसी में भी कर सकते हैं एन्जॉय और पा सकते हैं सेहत के कई सारे लाभ।

सामग्री

200 ग्राम फोजन कॉर्न, 1 प्याज (बारीक कटा), 3 टमाटर (बारीक कटे), आवश्यकतानुसार तेल, 1/2 टीस्पून जीरा, 1 टीस्पून लहसुन (बारीक कटा), 1 टीस्पून अदरक-लहुसन का पेस्ट, 7-8 काजू (पानी में भीगे हुए), 1 टेबलस्पून मगज (पानी में भीगे हुए), स्वादानुसार नमक, 1 टीस्पून देगी मिर्च पाउडर, 1 टीस्पून धनिया पाउडर, 1 टीस्पून जीरा पाउडर, 1 टीस्पून कसूरी मेथी, 1 टीस्पून गरम मसाला, टेबलस्पून बटर, 1 टेबलस्पून क्रीम।

फायदे

कॉर्न में पोटैशियम की अच्छी-खासी मात्रा मौजूद होती है। पोटैशियम शरीर में ब्लड सर्कुलेशन को सुधारने में मदद करता है। शरीर में इसकी कमी से हाइपोकैलिमिया नामक गंभीर बीमारी हो सकती है। जैसा कि ऊपर बताया गया है कि कॉर्न फाइबर से भरपूर होता है। पाचन क्रिया को सही तरीके से काम करने के लिए फाइबर बहुत ही जरूरी तत्व है। इससे खाने से कब्ज की समस्या नहीं होती, साथ ही ब्लड शुगर भी कंट्रोल में रहता है। कॉर्न में विटामिन बी12, फोलिक एसिड, आयरन की भी मात्रा होती है, जो शरीर में खून की कमी नहीं होने देते।

विधि

एक पैन में टीस्पून तेल गरम कर जीरा, लहसुन, हरी मिर्च भूनें। प्याज गोल्डेन ब्राउन होने पर लहसुन- अदरक का पेस्ट डालें। अच्छी तरह भूनने पर इसमें हल्दी, लाल मिर्च, टमाटर और नमक मिलाकर ढक दें। टमाटर पूरी तरह गलने पर इसमें धनिया पाउडर, जीरा पाउडर, कसूरी मेथी डालें और दो मिनट बाद काजू-मगज का पेस्ट बनाकर मिला दें। पेस्ट अगर गाढ़ा लगे, तो थोड़ा सा पानी मिलाएं और कुछ देर धीमी आंच पर ढककर पकाएं। पकाते समय पानी अगर सूखने लगे, तो थोड़ा सा पानी और मिला सकते हैं। गैस के दूसरे बर्नर पर पैन में बटर और नमक डालकर कॉर्न को भूनें। कॉर्न जब फूल जाए, तो उन्हें ग्रेवी में डालकर मिक्स करें और गरम मसाला, हरा धनिया डालकर कुछ देर पकाएं। अच्छी तरह पकने पर एक टेबलस्पून क्रीम डालकर लो फ्लेम पर कुछ सेकेंड ढककर रखें। धनिया पत्ती से गार्निश करके गर्मागर्म सर्व करें।

नाश्ते में बनाएं वेजिटेबल चीज चीला

सुबह का नाश्ता जितना सेहत के लिए जरूरी होता है, उतना ही मन मस्तिष्क के लिए भी आवश्यक है। सुबह सुबह अगर स्वादिष्ट और अच्छा नाश्ता मिल जाएं तो दिन बन जाता है। एक तो मन संतुष्ट रहता है, दूसरा पेट भरा होने से दिन की शुरुआत के साथ एनर्जी भी बनी रहती हैं। एक वजह ये है कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोग समय पर खाना तक नही खा पाते। ऐसे में अगर उन्होंने अच्छा नाश्ता मिल जाये तो लंच में थोड़ा लेट होना भी नहीं खलता। इसीलिए मॉर्निंग ब्रेकफास्ट में तरह तरह के स्वादिष्ट और पोषक व्यंजन बनाने का प्रयास करना चाहिए।

सामग्री

3 बड़े चम्मच बेसन, 1 छोटा चम्मच लाल मिर्च पाउडर, 1/2 छोटा चम्मच काली मिर्च, 1/2 कप टुकड़ों में कटा प्याज, 1/2 कप टुकड़ों में कटा टमाटर, 1/2 कप शिमला मिर्च, 1 क्यूब चीज, स्वादानुसार नमक।

विधि

सबसे पहले तीन बड़े चम्मच बेसन एक बाउल में डालकर उसमें लाल मिर्च पाउडर, काली मिर्च और स्वादानुसार नमक मिला लें। अब कटा हुआ प्याज, शिमला मिर्च और टमाटर जैसी सब्जियां भी मिला लें। इसमें थोड़ा सा पानी डालकर घोल बना लीजिए। ध्यान रखें कि घोल में गांठ न पड़े। अच्छे से मिला लीजिए। तब तक एक तवे को मध्यम आंच पर गर्म होने दें। अब इस बेचन और सब्जियों वाले घोल को गर्म तवे पर डालें और हल्का फैला लें। उसके बाद सुनहरा भूरा होने तक दोनों तरफ अच्छे से पका लें। अब तवे पर चीला के साथ एक तरफ चीज डालकर चीज के पिघलने तक पका लीजिए। स्वादिष्ट के साथ पोषक नाश्ता बनाना चाहते हैं तो चीला बनाते समय ध्यान रहे कि ऑलिव ऑयल का इस्तेमाल करें। चीला अच्छे से पके इसके लिए बेसन का घोल पतला रखें। सब्जियों को बेसन के घोल में मिलाने से पहले दो मिनट के लिए स्टीम भी किया जा सकता है।

हंसना मना है

मां- बेटा क्या कर रहे हो? बेटा-पढ़ रहा हुं मां..मां- शाबाश! क्या पढ़ रहे हो? बेटा- आपकी होने वाली बहु के एसएमएस, दे थप्पड़, दे थप्पड़!

पति और पत्नी का जोरदार झगड़ा होता है। पति गुस्से से- तेरी जैसी 50 मिलेंगी। पत्नी हंसके- अभी भी मेरी जैसी ही चाहिए!

लड़की वाले लड़का देखने गए, लड़की वाले- कितना कमा लेते हो? लड़का- इस महीने दो करोड़ कमाया। लड़की वाले- फिर क्या हुआ? लड़का- बस, फिर मोबाइल में तीन पत्ती हेंग हो गया, और सारी कमाई चली गयी।

उसने मुझसे पूछा-चाहोगे मुझे कब तक, मैंने भी मुस्कुराके कह दिया, मेरी बीवी को न पता चले तब तक।

टीचर- मैं दो वाक्य दूंगा उसमें आपको अंतर बताना है। पहला वाक्य- उसने बर्तन धोए। दूसरा वाक्य- उसे बर्तन धोने पड़े। पप्पू - पहले वाक्य में कर्ता अविवाहित है। और दूसरे वाक्य में कर्ता विवाहित है।

कहानी

हरा घोड़ा

एक शाम राजा अकबर अपने प्रिय बीरबल के साथ अपने शाही बगीचे की सैर के लिए निकले। वह बगीचा बहुत ही शानदार था। चारों ओर हरियाली ही हरियाली थी और फूलों की भीनी भीनी खुशबू वातावरण को और भी खूबसूरत बना रही थी। ऐसे में राजा को जाने क्या सूझा कि उन्होंने बीरबल से कहा, बीरबल! हमारा मन है कि इस हरे भरे बगीचे में हम हरे घोड़े में बैठ कर घूमें। इसलिए मैं तुम्हें आदेश देता हूं कि तुम सात दिनों के अंदर हमारे लिए एक हरे घोड़े का इंतजाम करो। वहीं अगर तुम इस आदेश को पूरा करने में असफल रहते हो, तो तुम कभी भी मुझे अपनी शक्ल न दिखाना। इस बात से राजा व बीरबल दोनों वाकिफ थे कि आज तक दुनिया में हरे रंग का घोड़ा नहीं हुआ है। फिर भी राजा चाहते थे कि बीरबल किसी बात में अपनी हार स्वीकार करें। इसी कारण उन्होंने बीरबल को ऐसा आदेश दिया। मगर, बीरबल भी बहुत चालाक थे। वो भली भांति जानते थे कि राजा उनसे क्या चाहते हैं। इसलिए वो भी घोड़ा ढूंढने का बहाना बनाकर सात दिनों तक इधर-उधर घूमते रहे। आठवें दिन बीरबल दरबार में राजा के सामने पहुंचे और बोले, महाराज! आपकी आज्ञा के अनुसार मैंने आपके लिए हरे घोड़े का इंतजाम कर लिया है। मगर, उसके मालिक की दो शर्तें हैं। राजा ने उत्सुकता से दोनों शर्तों के बारे में पूछा। तब बीरबल ने जवाब दिया, पहली शर्त यह है कि उस हरे घोड़े को लाने के लिए आपको स्वयं जाना होगा। राजा इस शर्त के लिए तैयार हो गए। फिर उन्होंने दूसरी शर्त के बारे में पूछा। तब बीरबल ने कहा, घोड़े के मालिक की दूसरी शर्त यह है कि आपको घोड़ा लेने जाने के लिए सप्ताह के सातों दिन के अलावा कोई और दिन चुनना होगा। यह सुन राजा हैरानी से बीरबल की ओर देखने लगे। तब बीरबल ने बड़ी सहजता से जवाब दिया, महाराज! घोड़े का मालिक कहता है कि हरे रंग के खास घोड़े को लाने के लिए उसकी यह खास शर्तें तो माननी ही होंगी। राजा अकबर बीरबल की यह चतुराई भरी बात सुनकर खुश हो गए और मान गए कि बीरबल से उसकी हार मनवाना वाकई में बहुत मुश्किल काम है।

7 अंतर खोजें

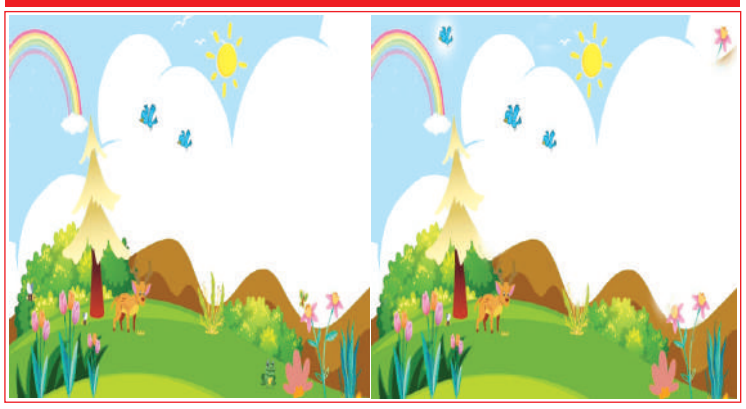

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज आपको कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। बेकार की बातें करके समय बर्बाद करने से बचें। सफलता हाथ लग सकती है। लवमेट के साथ डिनर करने जा सकते है।

वृषभ

आज का दिन आपके लिए कुछ उलझन भरा रहेगा। कार्यक्षेत्र के कुछ कामों को समझाने में आपका सारा दिन व्यतीत होगा, लेकिन परेशान ना हो।

मिथुन

आज का दिन खुशियां देने वाला साबित होगा। बच्चे पढ़ाई से मन हटा सकते हैं। शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े लोगों को कुछ नया सीखने का अवसर मिलेगा।

कर्क

आज आप बिना डर निर्णय ले जो की आपके भविष्य के लिए अच्छे साबित हो। पैसों के मामले में आपका काम नहीं रुकेगा। अचानक धन लाभ हो सकता है।

सिंह

आज का दिन आपका परोपकार के कार्यों में व्यतीत होगा। आज आप अपने परिवार के सदस्यों को लेकर किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जाने का प्लान बना सकते हैं।

कन्या

आज समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी । सोशल मिडिया के जरिए आप किसी सामाजिक समारोह में हिस्सा लेंगें। ऑफिस में हर कोई आपके कार्यों से प्रभावित होगा।

तुला

धार्मिक स्थलों पर जाना आपके अच्छा रहेगा। किसी पसंदीदा व्यक्ति से भी संपर्क हो सकता है। अपनी सेहत पर ध्यान दें खान-पान में सावधानी रखें।

वृश्चिक

आज का दिन आपको प्रत्येक मामले में संयम से काम लेना होगा। यदि आज आपके घर परिवार में कोई आपसी कलह हो, तो उसमें भी आज आपको संयम से काम लेना होगा।

धनु

आज का दिन खुशियों भरा रहने वाला है। दुकानदारों को उम्मीद से ज्यादा धन लाभ होने वाला है। आप जिस भी काम में हाथ बढ़ाएंगे, वो जरूर सफल होगा।

मकर

अगर आप नौकरी करते हैं तो दफ्तर में आपको अतिरिक्त कार्य करना पड़ सकता है। हालांकि इस समय आपको काम से जी चुराने से बचना होगा।

कुम्भ

आज आपकी आर्थिक स्थिति को मजबूती मिलेगी, क्योंकि आपका उधार गया हुआ धन आज आपको वापस मिल सकता है, जो आपकी प्रसन्नता का कारण बनेगा।

मीन

आज आपकी आर्थिक परेशानियों का हल निकलेगा, कोई दोस्त आपकी मदद करेगा। शाम को आप घर वालों के साथ मिलकर अच्छा समय बिताएंगे।

बॉलीवुड | गपशप

शेरनी बन दहाड़ने को तैयार हैं सुष्मिता सेन

सुष्मिता सेन अभी कुछ वक्त पहले तक अपनी सीरीज 'ताली' के चलते सुर्खियों में बनी हुई थीं। इस सीरीज में उनके शानदार अभिनय ने दर्शकों से लेकर ऑडियंस तक सबको उनका कायल बना दिया था। 'ताली' की गड़गड़ाहट अभी थमी नहीं थी कि सुष्मिता सेन एक और दमदार किरदार से पर्दे पर लौटने को तैयार हैं। एक्ट्रेस की पॉपुलर वेब सीरीज 'आर्या' के तीसरे सीजन का टीजर रिलीज हो गया है। ये टीजर रिलीज के साथ ही सोशल मीडिया पर छा गया है। दर्शकों को एक्ट्रेस का पहले से ज्यादा बेखौफ अंदाज काफी पसंद आ रहा है।
'आर्या' के सीजन-1 और सीजन-2 दोनों को बेशुमार लोकप्रियता मिली थी।
सीजन-3 के टीजर को देखते हुए लगता है कि इस बार ये शो पहले के दोनों सीजन से भी एक लेवल अप होने वाला है। 30 सेकंड के इस टीजर में सुष्मिता सेन बेखौफ अंदाज में सिगार पीते और हाथ में पिस्तौल पकड़े नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस की ये वेब सीरीज-3 नवंबर से ओटीटी प्लेटफॉर्म डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीम करने को तैयार है।

आर्या-3 का धांसू टीजर हुआ रिलीज

सुष्मिता सेन ने कई बार अपने इंटरव्यू में इस बात का जिक्र किया है कि वह 'आर्या' में अपने किरदार से बहुत ज्यादा रिलेट कर पाती हैं, क्योंकि असल जिंदगी में वह भी एक ऐसी ही मां हैं जो अपने परिवार की रक्षा की खातिर किसी भी हद तक जाने को तैयार रहती हैं।

बेहद खास है 'आर्या'

वेब सीरीज 'आर्या' सुष्मिता सेन के लिए बेहद खास है क्योंकि साल 2020 के जून महीने में एक्ट्रेस ने इस सीरीज से ही ओटीटी डेब्यू किया था और वह डेब्यू के साथ ही ओटीटी पर छा गई थीं। वह इस सीरीज में एक सशक्त महिला के किरदार में नजर आती हैं जो अपने परिवार को हर मुश्किल से बचाती है। इस सीरीज में अनुपम खेर के बेटे सिकंदर खेर ने भी अहम भूमिका निभाई है।

बॉलीवुड | मन की बात

अपने ही शहर दिल्ली में छेड़छाड़ का शिकार हुई थीं सायनी गुप्ता

सायनी गुप्ता इन दिनों अपने आने वाले प्रोजेक्ट में काफी बिजी है। सायनी गुप्ता टैलेंट का पावरहाउस हैं। अपने कई दमदार रोल्स के साथ एक्ट्रेस ने हमेशा ही अपने हुनर का एक अलग रूप लोगों को दिखाया है। एक्ट्रेस अपने किरदारों के साथ एक्सपेरिमेंट करने में पीछे नहीं हटती हैं। सायनी गुप्ता का दिल्ली से काफी पुराना रिश्ता है। ऐसे में दिल्ली के बारे में बात करते हुए सायनी ने एक इंटरव्यू में खुलासा किया कि अब दिल्ली काफी बदल गई है और अब वहां पहले जैसी बात नहीं रही है। एक्ट्रेस ने कहा कि अब जब वो दिल्ली आती हैं तो बाहर जाने की जगह वो घर पर ही रहना ज्यादा पसंद करती हैं। इसका कारण की वह वहां छेड़छाड़ का शिकार हो चुकी हैं। सायनी ने बताया ये हादसा तब हुआ जब मैं अपनी एक वेब सीरीज की शूटिंग करने दिल्ली पहुंची थी। उस वक्त मुझे बहुत गुस्सा आया था। सायनी ने कहा कि, मैं 2017 में टिस्का चोपड़ा के साथ दिल्ली आई थी। हम द हंग्री वेब सीरीज की शूटिंग कर रहे थे। तब हमारे साथ जो जूनियर आर्टिस्ट्स थे वही ही हमें ऐसे देख रहे थे कि आप अपने ही सेट पर अजीब-सा महसूस करने लगें। यह देखकर हमें काफी बुरा लगा। मैं यहीं सोचती हूं की आजकल लोगों को क्या हो गया है। दिल्ली मेरे दिल के बहुत करीब है। इसका ऐसा हाल देखकर मुझे बहुत दुख होता है। बॉलीवुड एक्ट्रेस सायनी गुप्ता ने मीडिया के साथ अपने पुराने दिनों की बातों को भी साझा किया था। एक्ट्रेस ने बताया कि मेरे समय में दिल्ली का माहौल कुछ और ही था। जब मैं कॉलेज में थी उस समय बैक लैस टॉप्स पहनकर बसों में ट्रेवल करती थी। तब कभी कोई दिक्कत नहीं हुई। मैं रात में साढ़े नौ से 10 बजे के आसपास प्रगति मैदान के बाहर कई बार टहली हूं। अब यह सोचा अपनी जान मुसीबत मे डालने के बराबर है।

रामायण में राम का 100 फीसदी किरदार देने को तैयार हैं रणवीर

रणबीर कपूर इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म रामायण को लेकर खबरों में हैं। नीतिश तिवारी की फिल्म में एक्टर भगवान राम का रोल करते दिखेंगे। हालांकि फिल्म को लेकर अभी तक ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं हुई है। इस बीच खबर है कि फिल्म के लिए रणबीर कपूर एक बड़ी त्याग करने वाले हैं।
रामायण फिल्म को लेकर रोजाना नई अपडेट सामने आती हैं। रिपोर्ट्स की मानें तो फिल्म को लेकर एक्टर अपनी लाइफस्टाइल में बड़े बदलाव कर रही है। मीडिया रिपोर्ट की माने तो राम के किरदार के लिए रणबीर कपूर ने शराब और नॉन वेज खाने से तौबा कर ली है। रणबीर हर तरीके फिल्म में अपना 100 परसेंट देने के लिए तैयार हैं।
मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक्टर ने अपनी पब्लिक इमेज सुधारने के लिए नहीं बल्कि राम के पवित्र किरदार के साथ न्याय करने के लिए एल्कोहल न पीने का फैसला लिया है और नॉनवेज भी खाना बंद करने वाले हैं। रिपोर्ट के मुताबिक जब फिल्म की शूटिंग शुरू होगी तब तक रणबीर किरदार के लिए हर तरह से तैयार होंगे।
हाल में आई मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रणबीर कपूर अगले साल के शुरुआत में फिल्म की शूटिंग करना शुरू करेंगे। रणबीर और सई फरवरी 2024 से काम शुरू कर सकते हैं। इस फिल्म के पहले पार्ट में भगवान राम और सीता पर पूरा फोकस रखा जाएगा। फिल्म के वीएफएक्स ऑस्कर विनिंग कंपनी डीएनईजी बनाने वाली है। इससे पहले रणबीर की एनिमल 1 दिसंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

भारत का सबसे पहला मोबाइल किस कंपनी का था? 10 घंटे में होता था फुल चार्ज

सोशल मीडिया ऐसी जगह है जहां लोग मनोरंजन के लिए आते हैं। लेकिन आज की डेट में इसका इस्तेमाल ज्ञान बढ़ाने के लिए भी किया जाने लगा है। लोग सोशल मीडिया के जरिये ऐसे कई फैक्ट्स से रूबरू हो रहे हैं, जो उन्हें आजतक पता नहीं था।
सोशल मीडिया साइट कोरा पर लोग कई तरह के सवाल करते हैं। इसमें पर्सनल से लेकर जनरल नॉलेज तक के सवाल शामिल है। ऐसे कई सवाल भी इसपर पूछे जाते हैं, जिसका जवाब लोगों को गलत ही पता होता है।
कोरा पर एक शख्स ने सवाल किया कि आखिर भारत में कौन सी कंपनी का मोबाइल फोन सबसे पहले आया था? सवाल सुनकर ज्यादातर लोगों को यही लगेगा कि इसका सही जवाब नोकिया या सैमसंग होगा। लेकिन आपको बता दें कि अगर आप भी जवाब इन्हीं दो कंपनियों में से किसी एक को समझ रहे थे तो आप गलत हैं। दरअसल, इसका सही जवाब है मोटोरोला। भारत में सबसे पहला मोबाइल मोटोरोला का आया था। इसका नाम मोटोरोला ष्ठ्ठह्रश्ष्ट 8000ङ्ग था। इस फोन को 1983 में अमेरिका में लॉन्च किया गया था। इसके बाद 1995 में ये भारत में आया था। ये फोन काफी बढ़ा था और इसे चार्ज होने में दस घंटे का समय लगता था। दस घंटे चार्ज होने के बाद आप इससे आधे घंटे तक बात कर सकते थे। मोटोरोला के बाद मार्केट में नोकिया और सैमसंग आए। वायरलेस फोन की केटेगरी में ये सबसे पहला फोन था। इसका वजन करीब 790 ग्राम था। यानी एक ईंट जितना भारी था ये फोन। ऐसे में इस मोबाइल को लेकर एक से दूसरे जगह जाना काफी मुश्किल था। धीरे-धीरे इस समस्या को दूर किया गया और हल्के सेट बनाए जाने लगे। इसके साथ ही मोबाइल के चार्ज होने का समय भी कम होने लगा। आज के समय में फोन तुरंत चार्ज होने लगे हैं। वहीं बात अगर कीमत की करें तो ये फोन तीन लाख से ज्यादा का था। यानी ये आईफोन से भी महंगा था।

अजब-गजब | दिलचस्प है वजह, आक्सीजन की कमी से बचने का करते हैं प्रयास

हिमालय पर्वत या प्रशांत महासागर के ऊपर से क्यों नहीं उड़तीं प्लेन?

बहुत सी चीज़ें इस दुनिया में हैं, जो मौजूद हैं लेकिन इसके पीछे की वजह कोई नहीं जानता है। हालांकि हर चीज के पीछे अपनी एक वजह ज़रूर होती है। कई बार ये वजह वैज्ञानिक होती है तो कई बार परंपरागत भी। हम इनसे संतुष्ट भी कभी होते हैं तो कभी नहीं हो पाते। ऐसी ही चीज़ों को लेकर मज़ेदार सवाल लोग इंटरनेट पर खूब पूछते हैं।
ऑनलाइन प्लेटफॉर्म कोरा पर लोग अपने मन की जिज्ञासा शांत करने के लिए तरह-तरह के सवाल करते हैं और यूज़र्स अपनी जानकारी के मुताबिक उनका जवाब देते हैं। ऐसा ही सवाल किसी ने पूछा कि कभी आपने सोचा है कि आखिर एयरलाइंस माउंट एवरेस्ट या फिर प्रशांत महासागर के ऊपर से क्यों नहीं उड़ती हैं। आखिर वो क्या वजह है, जो हमेशा इस रूट से बचकर ही चलने में भलाई समझी जाती है।
हिमालय और प्रशांत महासागर के ऊपर से उड़ानें भरने से एयरक्राफ्ट इसलिए बचते हैं क्योंकि ये फ्लाइट के लिए सही स्थितियां नहीं हैं। आम तौर पर फ्लाइट हवा में 30 हज़ार फीट की ऊंचाई पर उड़ती है, ताकि मौसम के बदलाव या किसी और अप्रिय घटना से बचा जा सके। हिमालय में सभी चोटियों की ऊंचाई आमतौर पर 20 हज़ार फीट से ऊंची हैं, ऐसे में ये उड़ान भरने के लिए ठीक नहीं हैं। यहां हवा की गति भी असामान्य रहती है और ऑक्सीजन भी कम होता है, ऐसे में यात्रियों को भी दिक्कत हो सकती है। यहां मौसम भी तेज़ी से बदलता रहता है और कभी भी आपात स्थिति आ सकती है। प्रशांत महासागर हो या फिर हिमालय की पर्वत श्रृंखलाएं, यहां नेविगेशन रडार सर्विस ना के बराबर है। ऐसे में पायलट को ज़मीन से संपर्क साधने में दिक्कत हो सकती है। इतना ही नहीं प्लेन ज़मीन के ऊपर उड़ती हैं, ताकि किसी आपात परिस्थिति में उन्हें लैंडिंग मिल सके। पर्वत चोटियों या समुद्र के ऊपर उड़ने से उन्हें एमरजेंसी लैंडिंग नहीं मिल पाएगी। ऐसे में उड़ानें घूमकर जाने में ही बेहतरी समझते हैं।

भाजपा ने मप्र में की थी लोकतंत्र की हत्या : भगवंत

बोले- कांग्रेसी विधायकों का कराया गया था हृदय परिवर्तन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रीवा। रीवा में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने भारतीय जनता पार्टी पर जमकर निशाना साधा। मुख्यमंत्री मान का रोड शो शहर के कॉलेज चौराहे से शुरू हुआ, जो शहर के मुख्य बाजार शिल्पी प्लॉजा में समाप्त हुआ। इस दौरान भगवंत मान ने रीवा सीट से चुनावी मैदान पर उतरे इंजीनियर दीपक सिंह के पक्ष में जनता से वोट देने की अपील की। रोड शो के दौरान सभा को संबोधित करते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने भाजपा पर जमकर निशाना साधा और मीडिया से बात करते हुए मान ने कहा, आम आदमी पार्टी की रीवा में चुनावी सभाएं शुरू हो चुकी हैं। इसके पहले मैं और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल रीवा आ चुके हैं। लेकिन आचार संहिता लगने के बाद आज पहला दिन है।

प्रदेश की जनता परिवर्तन चाहती है, पिछली बार भी जनता ने परिवर्तन के लिए वोट दिया था, लेकिन परिवर्तन को एक और परिवर्तन में परिवर्तित कर दिया गया। मतलब कांग्रेसियों का हृदय परिवर्तन करवाकर उन्हें अपनी तरफ कर लिया तो यह एक तरह से लोकतंत्र की हत्या थी। मुख्यमंत्री भगवंत मान बोले, पांच साल में लोगों के पास एक बार मौका आता है तो मध्यप्रदेश की जनता बड़े सब्र के साथ उस दिन का इंतजार कर रही है। 17 नवंबर के दिन जब मध्यप्रदेश की जनता वोट देने जाएगी तो जिस तरह से दिल्ली और पंजाब में बड़ा परिवर्तन हुआ है, मध्यप्रदेश की जनता भी इस बार ऐसा परिवर्तन करेगी कि विधायकों को बिकने के लिए और और इधर-उधर हृदय परिवर्तन करने की जगह नहीं मिलेगी।

2024 के चुनाव में जनता दिखाएगी ट्रेलर

भगवंत मान ने कहा कि हम वो पत्ते नहीं, जो साख से टूटकर गिर जाएं, आंधियों को कह दो अपनी औकात में रहें, यह हमारे कितने नेताओं को जेल में डालेंगे। संजय सिंह के लिए जेल कोई नई बात नहीं है। संजय सिंह सुल्तानपुर के लोगों की मदद करते थे। वह इनकी तरह नहीं हैं कि एक देश एक दोस्त सिर्फ एक ही बंदे को क्योंकि संजय सिंह बोलते थे कि मोदी अड़ानी भाई-भाई इसलिए हम कह रहे हैं कि एक देश एक दोस्त एक ही दोस्त पर सब कुछ लुटा दिया तो यह आने वाले 2024 के लोकसभा चुनाव में भी और मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव, छत्तीसगढ़ और राजस्थान के विधानसभा चुनाव में जनता इनको ट्रेलर दिखाने वाली है।

ईडी का इस्तेमाल कर आप नेताओं को भेजा जा रहा जेल

आप नेता संजय सिंह को जेल भेजने की बात पर पंजाब के सीएम भगवंत मान ने भारतीय जनता पार्टी का बिना नाम लिए कहा कि इनकी तो फितरत है कि जहां पर जनता साथ नहीं देती, वहां पर श्वष्ठ का स्तेमाल करते हैं। आप नेता संजय सिंह को जेल भेज दिया गया, जिन्होंने स्कूल बनवाए। मनीष सिसौदिया को जेल भेज दिया गया, जिन्होंने अस्पताल बनवाए। सत्येंद्र जैन को जेल भेज दिया, यह लगता है कि आम आदमी पार्टी नेताओं की पार्टी है, लेकिन ऐसा नहीं है, आम आदमी पार्टी लोगों की पार्टी है।

शिवराज की विदाई इस बार तय : कंप्यूटर बाबा

महामंडलेश्वर कंप्यूटर बाबा की गौ बचाओ यात्रा मंगलवार को उज्जैन पहुंची। इस दौरान मीडिया के साथ बातचीत में कंप्यूटर बाबा ने शिवराज सरकार पर जमकर निशाना साधा। बता दें कि कंप्यूटर बाबा की गौ बचाओ यात्रा का कल यानी बुधवार को उज्जैन में समापन होगा, जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह भी शामिल होंगे। महामंडलेश्वर महामंडलेश्वर कंप्यूटर बाबा द्वारा गोवंश के संरक्षण के लिए 26 सितंबर से चित्रकूट से गौ बचाओ यात्रा निकाली जा रही है। जो मंगलवार को सैकड़ों संतों के साथ उज्जैन पहुंची। वहीं, बुधवार को उज्जैन में एक भव्य समारोह में यात्रा का समापन होगा, जिसमें राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह सहित बड़ी संख्या में साधु-संत शामिल होंगे। इसके पहले मीडिया के साथ बातचीत में कंप्यूटर बाबा ने शिवराज सरकार पर जमकर हमला बोला और कहा कि शिवराज की विदाई होना तय है। बाबा ने शिवराज को सनातन विरोधी बताते हुए कहा कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान डब्बे छाते की योजना लेकर आ गए। लेकिन आज दिनांक तक गौ माता के उत्थान के लिए उन्होंने कुछ नहीं किया।

सनातन को सही सलामत रखें हैं तो मप्र को प्रयोगशाला कहना स्वीकार : विस अध्यक्ष

विधानसभा अध्यक्ष गिरीश गौतम ने भारतीय जनता पार्टी कार्यालय अटलकुंज, रीवा में पत्रकार वार्ता का आयोजन किया। इस दौरान उन्होंने राहुल गांधी के द्वारा सीधी जिले में दिए गए प्रयोगशाला वाले बयान पर पलटवार किया है। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा, अगर हम सनातन धर्म को सही सलामत रखे हैं और अगर इसे आरएसएस की प्रयोगशाला कहते हैं तो यह हमें स्वीकार है। इसके आलावा रीवा में आयोजित पंजाब के सीएम भगवंत मान के रोड शो को लेकर भी तंज कसा। विधानसभा अध्यक्ष ने चुनावी मुद्दों को लेकर कहा, पांच साल में हमने जो काम किए हैं, उन मुद्दों को लेकर वह जनता के बीच जाएंगे। आधार पर एक आने वाली काम की जब हम घोषणा करते हैं तो पिछला वाला काम करके हम यह बताना चाहते हैं कि हम घोषणा करने के बाद अमल करते हैं तो जनता हम पर विश्वास करती है कि हमने जो घोषणाएं की हैं, उसे पूरा किया है। एक नहीं दोनों मुद्दे होते हैं, हमने जो काम किया है और जो भविष्य में काम करेंगे, उसको लेकर हम जनता के बीच जाएंगे।

चुनाव लोकतंत्र महापर्व यहां सबको डुबकी लगाने का अधिकार

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के रोड शो को लेकर विधानसभा अध्यक्ष गिरीश गौतम ने कहा, लोकतंत्र का यही तो पर्व है, जिसमें सबको शामिल होना गंगा नदी में जब महाकुंभ का आयोजन होता है और हम गंगा के भीतर स्नान करने जाते तो क्या किसी को रोका जाता है। चुनाव लोकतंत्र का पर्व है, इसमें सबको आने का और दो डुबकी लगाने का अधिकार है। अब वह गंगा मैया की कृपा है कि किसको आशीर्वाद देती हैं, किसको नहीं देती हैं तो डुबकी लगाने दीजिए, वो भी आएंगे सब आएंगे और डुबकी लगाएंगे।

विजिलेंस अफसरों पर एफआईआर की मांग, कोर्ट ने आख्या मांगी

» जनअधिकार सेना के अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर ने दिया था प्रार्थना पत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सीजेएम लखनऊ ऋषिकेश पांडेय ने जन अधिकार सेना के अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर द्वारा विजिलेंस अफसरों के खिलाफ एफआईआर दर्ज किए जाने की मांग विषयक प्रार्थना पत्र पर थाना विभूतिखंड से 20 अक्टूबर 2023 तक आख्या मांगी है। प्रार्थना पत्र के अनुसार इन अफसरों ने जानबूझकर उच्चस्तरीय दबाव में उन्हें आय से अधिक संपत्ति मामले में फर्जी फंसाए जाने का षडयंत्र रचा था।

दरअसल, अमिताभ ठाकुर के खिलाफ थाना गोमती नगर, लखनऊ में एफआईआर दर्ज किया गया। इस मुकदमे में उन्हें और उनके परिवार को पूरे 8 साल तक विजिलेंस छापा, लंबी पूछताछ सहित हर प्रकार की परेशानी, जलालत, बदनामी और प्रताडना झेलनी पड़ी। मामले में ईओडब्ल्यू ने अंतिम रिपोर्ट लगाया जिसे पिछले दिनों कोर्ट द्वारा स्वीकार किया गया, जिससे साफ हो जाता है कि उन्हें जानबूझकर पूरी तरह फर्जी तरीके से फसाया गया था। अब उन्होंने विजिलेंस अफसरों पर एफआईआर की मांग की है।

सड़क पर खड़े ट्रक में गाड़ी की भीषण टक्कर, छह युवकों की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भिवानी (हरियाणा)। भिवानी के बहल क्षेत्र के गांव सेरला के समीप मंगलवार देर रात करीब साढ़े 11 बजे सड़क हादसा हो गया। जिसमें चार युवकों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि दो युवकों की अस्पताल लाते समय रास्ते में मौत हो गई। हादसा कार और ट्रक की टक्कर से हुआ।

भिवानी में हुआ दर्दनाक हादसा

मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार देर रात को गाड़ी में सवार छह युवक गांव सेरला की तरफ आ रहे थे कि सड़क पर खड़े एक ट्रक से उनकी गाड़ी की जबरदस्त टक्कर हो गई। हादसा इतना भीषण था कि गाड़ी के परखच्चे उड़ गए और इसमें सवार चार युवकों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया जबकि दो युवकों की अस्पताल पहुंचने से पहले ही मौत हो गई। हादसे में मृतक की पहचान ढाबढाणी निवासी 18 साल के रवि के रूप में हुई है। दूसरा युवक हिसार के बरवाला निवासी प्रदीप

बताया जा रहा है। जबकि चार मृतकों की पहचान नहीं हो पाई है। सभी युवकों के शवों को नागरिक अस्पताल लाया गया। जहां बहल पुलिस मृतकों के शवों का बुधवार को पोस्टमार्टम कराएगी। पुलिस की एक टीम ने बुधवार को मौके पर पहुंचकर छानबीन की है। बहल पुलिस मृतकों की पहचान कराने के साथ इस संबंध में आगामी कार्रवाई में जुटी है। गांव भुंगला से बलेनो गाड़ी में सवार होकर पांच युवक बहल जा रहे थे। इस सड़क हादसे में ट्रक के पीछे रस्से खींच रहे ट्रक के क्लीनर की भी मौत हो गई। मृतक प्रदीप के भाई सुनील ने बताया कि प्रदीप अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था। वहीं अन्य मृतकों की अभी पहचान की जा रही है।

सुचित्रा मिश्रा हत्याकांड में भाजपा विधायक को नोटिस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड हाई कोर्ट के जस्टिस एसएन प्रसाद व जस्टिस नवनीत कुमार की खंडपीठ में ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल की शिक्षिका सुचित्रा मिश्रा हत्याकांड मामले में आरोपितों को निचली अदालत द्वारा बरी किए जाने के खिलाफ दाखिल अपील पर सुनवाई हुई। सुनवाई के बाद अदालत ने स्कूल के निदेशक एवं पांकी से भाजपा के विधायक कुशवाहा शशिभूषण मेहता सहित छह लोगों को नोटिस जारी किया है।

इस मामले की अगली सुनवाई 29 नवंबर को होगी। निचली अदालत से सभी आरोपितों को बरी किए जाने के विरुद्ध गोविंद मिश्रा ने हाई कोर्ट में अपील याचिका दाखिल की थी। इधर, सुनवाई के दौरान अदालत को बताया गया कि निचली अदालत ने सभी आरोपितों को बरी कर दिया है। अदालत ने तथ्यों पर गौर किए बिना ही आदेश पारित किया है, जो उचित नहीं है। ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल की शिक्षिका सुचित्रा मिश्रा की हत्या 11 मई, 2012 को रात साढ़े आठ बजे कार से कुचल कर धुर्वा में कर दी गई थी। इसके बाद सुचित्रा के भाई गोविंद ने शशिभूषण मेहता सहित अन्य लोगों पर प्राथमिकी कराई थी।

रिजवान और शफीक ने श्रीलंकाई चीतों को किया चित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। इमाम ने इससे पहले 19 रन के स्कोर पर उन्हें जीवनदान दिया था। हसन ने चरिथ असलंका (03 जबकि मोहम्मद नवाज ने धनंजय डिसिल्वा (25) को आउट किया। शाहीन ने कप्तान दासुन शनाका (12) को पवेलियन भेजा जिससे पाकिस्तान ने वापसी की कोशिश की। समरविक्रम ने हालांकि एक छोर संभाले रखा और टीम को 350 रन के करीब ले गए। वह 48वें ओवर में हसन की गेंद पर विकेटकीपर रिजवान को कैच देकर पवेलियन लौटे।

जकड़न से जूझने के बावजूद मोहम्मद रिजवान के करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी और सलामी बल्लेबाज अब्दुल्लाह शफीक के करियर के पहले शतक से पाकिस्तान ने कुसाल मेंडिस और सदीरा समरविक्रम के शतक पर पानी फेरते हुए आईसीसी क्रिकेट विश्व कप के बड़े स्कोर वाले मैच में श्रीलंका को छह विकेट से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की।

विश्वकप- पाकिस्तान ने छह विकेट से हराया

यह विश्व कप में लक्ष्य का पीछा करते हुए सबसे बड़ी जीत है। श्रीलंका के 345 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान ने रिजवान की 121 गेंद में आठ चौकों और तीन छक्कों से नाबाद 131 की पारी और पहला शतक जड़ने वाले शफीक (103 गेंद में 113 रन, 10 चौके, तीन छक्के) के साथ उनकी तीसरे विकेट की 176 रन की साझेदारी से 48.2 ओवर में चार विकेट पर 345 रन बनाकर जीत दर्ज की। रिजवान ने सऊद शकील (31) के साथ भी चौथे विकेट के लिए 95 रन की साझेदारी की।शफीक विश्व कप में पाकिस्तान की ओर से पदार्पण करते हुए सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज भी बने। श्रीलंका ने इससे पहले मेंडिस और समरविक्रम के शतक से नौ विकेट पर 344 रन बनाए जो विश्व कप में किसी पूर्ण सदस्य देश के खिलाफ टीम का सर्वोच्च स्कोर है। मेंडिस ने 77 गेंद में 122 रन की पारी खेली जो विश्व कप के इतिहास में श्रीलंका की ओर से सबसे तेज शतक है।

समरविक्रम ने अपने पहले एकदिवसीय शतक के दौरान 89 गेंद में 108 रन की पारी खेली। लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान की शुरुआत खराब रही और टीम ने आठवें ओवर में 37 रन तक ही इमाम उल हक (12) और कप्तान बाबर आजम (10) के विकेट गंवा दिया। मदुशंका ने इमाम को उछाल लेती गेंद पर फाइन लेग पर कुसाल परेरा के हाथों कैच कराने के बाद जबकि बाबर इस तेज गेंदबाज खराब गेंद को विकेटकीपर समरविक्रम के हाथों में खेल गए।

एनआईए का यूपी के कई जिलों में छापा

पीएफआई से जुड़े अन्य संगठनों के ठिकानों पर छानबीन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पीएफआई से जुड़े अन्य संगठनों के ठिकानो पर एनआईए ने यूपी में कई जगह छापा मारा। लखनऊ में मदेगंज के बड़ी पकरिया इलाके में एक ही मोहल्ले के तीन घरों में एनआईए ने जांच की। बुधवार सुबह पांच बजे से एनआईए की टीम पैरा मिलट्री फोर्स और महिला पुलिसकर्मियों के साथ छापेमारी कर रही है। लखनऊ के अलावा बाराबंकी, बहराइच, सीतापुर और हरदोई में भी छापा मारने की सूचना है।

सीतापुर जिले की महमूदाबाद तहसील में एनआईए ने बुधवार सुबह छापेमारी की है। दो गाड़ियों से बुधवार सुबह पहुंचे अधिकारी पीएफआई से जुड़े नेटवर्क की कड़ियां खंगाल रहे हैं। लखनऊ में खदरा में डॉ ख्वाजा, मास्टर शमीम और मौलाना जमील के घर पर सुबह पांच बजे छापा मारा गया था। इन सभी को हिरासत में लेकर मदेयगंज थाने में एनआईए पूछताछ कर रही है। बुधवार को जिन ठिकानों पर छापे मारे गए, वे पीएफआई पर बैन लगने

फोटो: सुमित कुमार

के बावजूद युवाओं को देश विरोधी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए जुटा रहे थे। लखनऊ के अलावा बाराबंकी और बहराइच में पीएफआई के सक्रिय सदस्यों को एनआईए और एटीएस पहले भी गिरफ्तार कर चुकी है। इनमें पीएफआई का प्रदेश अध्यक्ष और दिल्ली दंगों में संलिप्त पाये गए सदस्य शामिल हैं। एनआईए समेत तमाम जांच एजेंसियां अब पीएफआई के सहयोगी संगठनों जैसे सीएफआई, महिला विंग और सियासी चेहरे एसडीपीआई की गतिविधियों पर पैनी नजर रखे हैं।

न्यूजक्लिक पर सीबीआई ने दर्ज किया मामला

नई दिल्ली। न्यूजक्लिक से जुड़े लोगों की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। सूत्रों के अनुसार अब इस कथित फंडिंग मामले की जांच के लिए सीबीआई ने भी एक मामला दर्ज कर अपनी जांच शुरू कर दी है। सीबीआई इस मामले की जांच को लेकर अलग-अलग जगहों पर छापेमारी कर रही है। बता दें कि न्यूजक्लिक पर भारत की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को बाधित करने का आरोप है। सीबीआई से पहले इस कथित फंडिंग की जांच दिल्ली पुलिस, ईडी और आईटी भी कर रही है। ईडी ने इस मामले में पीएमएलए के तहत पहले ही मामला दर्ज किया है, जबकि दिल्ली पुलिस ने यूएपीए के तहत इस मामले की जांच कर रही है, दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने आपराधिक विश्वासघात, धोखाधड़ी और आपराधिक साजिश के तहत केस दर्ज किया है।

मुख्तार अंसारी के बेटे उमर अंसारी को 'सुप्रीम राहत'

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट से मुख्तार अंसारी के बेटे उमर अंसारी को बड़ी राहत दी है। दरअसल सुप्रीम कोर्ट की तरफ से मुख्तार अंसारी के बेटे उमर अंसारी को मिली अग्रिम जमानत मिल गई है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि उमर अंसारी जांच में सहयोग कर रहा है, उमर को 13 अप्रैल को इलाहाबाद हाई कोर्ट ने अग्रिम जमानत देने से इनकार कर दिया था।

इलाहाबाद हाई कोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई। मामले की एफआईआर अगस्त, 2020 को राजस्व अधिकारी सुरजन लाल ने लखनऊ के हजरतगंज पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई। इन एफआईआर को खारिज करने की मांग लिए वे हाई कोर्ट पहुंचे थे। एफआईआर में उमर अंसारी पर कथित फर्जी तरीके से संपत्ति अपने नाम कराने का आरोप है। इसके साथ ही उमर पर आपराधिक साजिश रचने का भी आरोप है।

ईडी के खिलाफ हेमंत सोरेन की याचिका पर सुनवाई टली

झारखंड हाईकोर्ट शुक्रवार को करेगा सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने ईडी के समन के खिलाफ सीएम हेमंत सोरेन की ओर से दायर रिट याचिका पर सुनवाई टाल दी। अब इस मामले की सुनवाई 13 अक्टूबर को होगी। इससे पहले ईडी के समन और उसके अधिकारों को चुनौती देने वाली मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की याचिका में डिफेक्ट था।

इस वजह से झारखंड हाईकोर्ट में शुक्रवार को मामले में बहस नहीं हो पाई, हाईकोर्ट ने डिफेक्ट को दूर करने का निर्देश दिया था। इसके अलावा हेमंत सोरेन के अधिवक्ता ने कहा कि मामले में दिल्ली से सीनियर एडवोकेट हाइब्रिड मोड में जुड़कर बहस करना चाहते थां, इसलिए वक्त दिया जाए, इसके बाद हाईकोर्ट ने सुनवाई की अगली तारीख

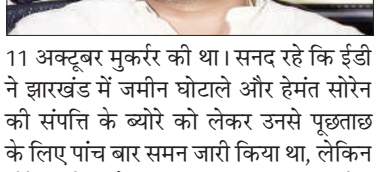

11 अक्टूबर मुकर्रर की था। सनद रहे कि ईडी ने झारखंड में जमीन घोटाले और हेमंत सोरेन की संपत्ति के ब्योरे को लेकर उनसे पूछताछ के लिए पांच बार समन जारी किया था, लेकिन सोरेन एजेंसी के समक्ष उपस्थित नहीं हुए। ईडी की ओर से पांचवीं बार भेजे गए समन में उन्हें 4 अक्टूबर को हाजिर होने को कहा गया था, इसके जवाब में सोरेन के एडवोकेट ने ईडी के असिस्टेंट डायरेक्टर देवव्रत झा को पत्र लिखकर कहा था कि यह मामला कोर्ट में विचारणीय था, इसलिए सुनवाई होने तक समन को स्थगित रखा जाए।

यूपी में नहीं रह गया पुलिस का डर

छेड़छाड़ के विरोध पर छात्रा को ट्रेन के आगे फेंका, एक हाथ-दोनों पैर कटे

विपक्ष ने योगी सरकार को घेरा, दो आरोपी गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बरेली। योगी सरकार की पुलिस का डर धीरे-धीरे कम हो रहा हे तभी तो छेड़खानी के विरोध में पीड़िता को शोहदों ने ट्रेन के आगे फेंक दिया जिससे उसको अपना पैर गंवाना पड़ा। इस हृदय विदारक घटना के बाद प्रदेश के विपक्षी दलों ने भाजपा सरकार को घेर लिया है। विपक्ष ने योगी सरकार की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा है कि इस मामले में पुलिस विफल हो गई है।

दरअसल, बरेली के सीबीगंज क्षेत्र में दिल दहलाने वाली वारदात हुई है। छेड़खानी का विरोध करने पर कोचिंग से घर लौट रही छात्रा को दो शोहदों ने ट्रेन के आगे फेंक दिया, जिससे उसका एक हाथ और दोनों पैर कट गए। उसकी कई हड्डियां भी टूट गई।

अस्पताल में भर्ती छात्रा की हालत चिंताजनक बनी हुई है। सीबीगंज थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली इंटर की छात्रा शाम को सीबीगंज में कोचिंग पढ़ने जाती है। उसके अधिवक्ता चाचा के मुताबिक उसके आने-जाने के दौरान एक युवक और उसका साथी उससे छेड़छाड़ करते थे। छात्रा से जानकारी मिलने पर परिजनों ने आरोपियों के घर वालों से शिकायत की, मगर वे दोनों नहीं माने। मंगलवार को भी कोचिंग गई थी। शाम को लौटने के वक्त वह खड़ौआ रेलवे क्रॉसिंग के पास लहूलुहान हालत में मिली। उसके दोनों पैर कटे हुए थे। जानकारी करने पर पता चला कि उन्हीं दोनों युवकों ने उसे रास्ते में रोककर छेड़छाड़ की। विरोध करने पर उसे ट्रेन के आगे फेंककर जान लेने की कोशिश की।

सीएम ने दिए सख्त निर्देश

इस मामले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संज्ञान लिया है। मामले में अफसरों ने मौके पर जाकर पीड़ित परिवार से बात कर कार्रवाई का निर्देश दिया। बुधवार सुबह कमिश्नर सौम्या अग्रवाल, आईजी राजेश कुमार सिंह, डीएम रविंद्र कुमार और एसएसपी घुले सुशील चंद्रभान ने अस्पताल जाकर परिवार और डॉक्टरों से बात की। सीबीगंज इंस्पेक्टर अशोक कम्बोज, हल्का इंचार्ज नितेश कुमार और दो सिपाहियों को निलंबित कर दिया।

बिजली संकट से हाहाकार, अभी और बढ़ेगी परेशानी

यूपी में कई यूनिटों के बंद होने से बढ़ी परेशानी, गांवों में पांच घंटे की कटौती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बिजली संकट गहरा गया है। वार्षिक मरम्मत के साथ अचानक कई यूनिटों में खांमियां आने से ग्रामीण इलाके में पांच घंटे की कटौती करनी पड़ रही है। लोगों के कई काम जो बिजली पर निर्भर हैं वह प्रभावित हो रहे हैं। अस्पतालों व फैक्ट्रियों काम भी रुक रहे हैं जिसकी वजह से हाहाकार मचा हुआ हैं।

वहीं जानकारों का कहना है कि सिक्किम आपदा एवं अन्य कई राज्यों में विद्युत उत्पादन प्रभावित होने की वजह से एक्सचेंज पर भी पर्याप्त बिजली नहीं मिल पा रही है। ऐसी स्थिति में अभी कम से कम पांच दिन

3054 मेगावाट बिजली उत्पादन कम

इस तरह प्रदेश में कुल 3054 मेगावाट बिजली उत्पादन कम हो गया। इसी बीच उमस बढ़ गई, जिसकी वजह से खपत का ग्राफ बढ़ने लगा। प्रदेश में पीक डिमांड 23500 मेगावाट पहुंच गई और उपलब्धता 20 हजार मेगावाट के आसपास रही। ऐसे में करीब 3500 मेगावाट की कटौती करनी पड़ी। हालांकि मंगलवार को तकनीकी खराबी की वजह से बंद हुई चार यूनिटों ठीक हो गई हैं, लेकिन अभी बारा की 660 और टांडा की 660 मेगावाट की एक-एक यूनिट से उत्पादन बंद है। इन दोनों में 13 अक्टूबर के बाद उत्पादन शुरू लेगा। जबकि वार्षिक मरम्मत वाली यूनिटें अभी लंबे समय तक बंद रहेंगी।

बिजली कटौती झेलनी पड़ेगी। प्रदेश में हर साल अक्टूबर माह में बिजली उत्पादन इकाइयों की मरम्मत सहित अन्य कार्य होता है। ऐसे में छह यूनिटों से उत्पादन बंद किया गया। इससे करीब 1421 यूनिट उत्पादन कम हुआ। इसी बीच सोमवार को अचानक छह अन्य यूनिटों में भी तकनीकी और अन्य कई तरह की गड़बडियां आ गई। इससे 1633 मेगावाट बिजली उत्पादन कम हो गया। यूपीएसएलडीसी की दैनिक प्रणाली रिपोर्ट के मुताबिक ग्रामीण क्षेत्र में 18 घंटे की अफेक्षा 13 घंटे बिजली आपूर्ति की जा रही है। इसी तरह नगर पंचायत में 21.30 घंटे की जगह 18 घंटे, तहसील मुख्यालय को 21. 30 घंटे के बजाय 18. 26 घंटे बिजली मिल रही है। बुंदेलखंड को 20 के बजाय 16. 25 घंटे बिजली दी जा रही है। इस तरह देखा जाए तो चार से पांच घंटे तक की मुख्य आपूर्ति कम की जा रही है। दूसरी तरफ लोकल फाल्ट पहले जैसा ही बना हुआ है। ऐसे में ग्रामीण इलाके को बमुश्किल 10 घंटे ही बिजली मिल पा रही है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।